हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 254, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 17 मार्च, 2024 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

पूरे देश में पहली बार 85 वर्ष से ज्यादा उम्र के मतदाता घर बैठे वोट दे सकेंगे

सात चरणों में होंगे लोकसभा चुनाव, चार जून को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचन आयोग (ईसी) चुनाव कार्यक्रम का एलान किया। इसके साथ ही देशभर में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई। संभावना है कि 543 सीटों के लिए सात या आठ चरणों में मतदान कराया जाएगा।

लोकसभा चुनाव के नतीजे चार जून को आएंगे- मुख्य चुनाव आयुक्त ने लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। इसके मुताबिक, सात चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे। चुनाव के नतीजे चार जून को आएंगे। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल 2024 को होगा।

'झूठ के बाजार में रौनक बहुत होती है'- राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग समेत किसी की भी आलोचना करने की पूर्ण स्वतंत्रता है, लेकिन फेक न्यूज, अफवाहें फैलाने की आजादी नहीं है। हर राज्य के अधिकारियों को अधिकार दिया गया है ताकि वे आपत्तिजनक बयानों से जुड़ी पोस्ट हटाने को कह सकें। अगर कोई झूठा नैरेटिव फैला रहा है तो हम उसका पुरजोर मुकाबला करेंगे। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर झूठ बनाम हकीकत नाम से शृंखला शुरू की जाएगी। मतदाताओं से भी अनुरोध है कि सोशल मीडिया पर जो भी आए, उसे आंख बंदकर आगे न बढ़ाएं। झूठ के बाजार में रौनक बहुत होती है।

नेताओं का बाहुबल-धनबल काम नहीं आएगा- मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव में हिंसा कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इस बार नया प्रयोग किया जा रहा है। जो भी हमें सख्ती से करना होगा, हम करेंगे। हर जिले में एक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। वहां टीवी, सोशल मीडिया, वेब कास्टिंग, 1950 हेल्पलाइन और शिकायत पोर्टल होगा। इस पर निगरानी के लिए हर जिले के ऐसे कंट्रोल रूम में एक अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। जहां भी शिकायत मिलेगी, वहां सख्त कार्रवाई होगी। जिन लोगों के पास गैर

जमानती वॉरंट हैं और जो हिस्ट्रीशीटर्स हैं, उन पर देशभर में कार्रवाई की जा रही है। जो लोग तीन साल से किसी एक जिले में पदस्थ हैं, उन्हें बदलने को कहा गया है। जहां भी वॉलंटियर और अनुबंध पर लोग काम कर रहे हैं, उन्हें चुनाव ड्यूटी में नहीं लगाया जाएगा। कुछ राज्यों में धन का उपयोग ज्यादा है। हम इससे भी निपट रहे हैं। पिछले 11 चुनाव में 3,400 करोड़ रुपये की नकदी के गैरकानूनी इस्तेमाल को रोका गया है। 2017-18 के मुकाबले 2022-23 में ऐसे धन की जब्ती में 835 फीसदी का इजाफा हुआ है। शराब, कैश, कुकर, साड़ी बांटने जैसे तरीकों को रोकने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। बैंक भी यह देखेंगे कि कहीं अचानक से नकदी की मांग में इजाफा तो नहीं हो रहा। हर बंदरगाहों, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, सड़क मार्ग पर सख्त निगरानी होगी। जहां हेलीकॉप्टर या चार्टर्ड उड़ानें उतरेंगी, वहां सामान की जांच होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि इस बार पूरे देश में एक व्यवस्था पहली बार लागू होने जा रही है। जो 85 वर्ष से ज्यादा उम्र के मतदाता हैं या जो 40 फीसदी से ज्यादा विकलांगता वाले वोटर हैं, उनके पास फॉर्म 12डी पहुंचाया जाएगा। अगर वे मतदान केंद्र पर नहीं जाना चाहते तो उनके घर जाकर उनका वोट पंजीकृत किया जाएगा। इसके लिए हमने चुनावी ड्यूटी में लगे कर्मियों को प्रशिक्षित कर दिया है।

नए मतदाताओं में 85 लाख महिलाएं, 1 अप्रैल से 13.4 लाख नए मतदाता जुड़ेंगे- उन्होंने कहा कि महिला मतदाताओं को जोड़ने में भी हमने मेहनत की है। देश के 12 राज्य ऐसे हैं, जहां महिला वोटरों की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा हो गई है। इस बार 18 से 19 वर्ष के 1.8 करोड़ मतदाताओं में 85 लाख तो महिला मतदाता हैं। 17 से ज्यादा उम्र के 13.4 लाख नए मतदाताओं की अग्रिम अर्जियां हमारे पास आ चुकी हैं। ये ऐसे वोटर होंगे, जो 1 अप्रैल को 18 साल की उम्र पूरी कर लेंगे।

मतदाता सूची की प्रक्रिया में राजनीतिक दलों को शामिल किया गया- उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल किया गया है ताकि बाद में कोई यह नहीं कहे कि हमें नहीं बताया गया। जिलाधिकारियों ने हर जिले में राजनीतिक दलों के साथ बैठकें की हैं। उनकी आपत्तियों का निराकरण किया गया है। हमने पिछले एक साल में नए वोटरों को जोड़ने पर बहुत मेहनत की है। इस बार 18 से 19 वर्ष के 1.8 करोड़ मतदाता होंगे। 20 से 29 साल उम्र के 19.74 करोड़ मतदाता होंगे। 82 लाख मतदाता ऐसे हैं, जिनकी उम्र 85 साल से ज्यादा है।

भारत में मतदाताओं की संख्या अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया के कुल मतदाताओं से कहीं ज्यादा- राजीव कुमार ने कहा कि भौगोलिक, सांस्कृतिक रूप से विविध इस देश के सबसे बड़े चुनाव के लिए हमने दो वर्ष तक तैयारी की है। हमारे पास 97 करोड़ मतदाता हैं। यह संख्या अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया के कुल मतदाताओं से कहीं ज्यादा है। हमारे पास 10.5 लाख मतदान केंद्र हैं, जिनकी जिम्मेदारी डेढ़ करोड़ लोगों के पास होती है। 55 लाख ईवीएम हैं। चुनाव आयोग अब तक 17 आम चुनाव और 400 से ज्यादा विधानसभा चुनाव करा चुका है।

कांग्रेस चाहे कितने भी कपड़े बदल ले, उसकी करतूतें नहीं बदलती : मोदी

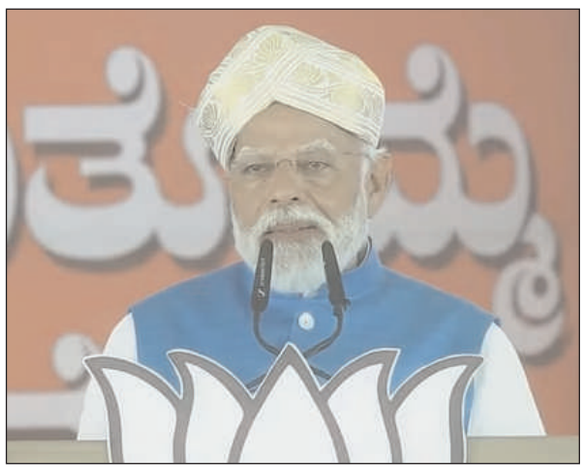

कुलबर्गी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दक्षिण के दो राज्यों का दौरा किया। लोकसभा चुनावों में 370 सीटें जीतने के लक्ष्य के लिए पीएम मोदी लगातार रैलियां कर रहे हैं। पहले पीएम मोदी ने तेलंगाना का दौरा किया। इसके बाद वह कर्नाटक पहुंचे। कर्नाटक के कलबुर्गी में उन्होंने एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक ने लोकसभा के चुनाव में भाजपा को रिकॉर्ड सीटों पर जिताने का संकल्प ले लिया है। आज पूरा कर्नाटक कह रहा है - अबकी बार 400 पार।

उन्होंने कहा, 'कलबुर्गी का ये जनसैलाब और आप सबके चेहरों का ये उत्साह, कर्नाटक ने लोकसभा के चुनाव में भाजपा को रिकॉर्ड सीटों पर जिताने का संकल्प ले लिया है। अभी तो चुनाव की घोषणा होनी बाकी है और आपने पहले ही घोषणा कर दी। आज पूरा कर्नाटक कह रहा है अबकी बार 400 पार।' उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है, जो चाहे कितने भी कपड़े बदल ले, उसकी करतूतें नहीं बदलती। इसलिए कर्नाटक में जनता जाग चुकी है, आक्रोश और गुस्से से लाल है। इतने कम समय में ही जनता का मोहभंग हो जाना दिखाता है कि लोगों को कांग्रेस की सच्चाई का पता चल गया है। उन्होंने कहा कि एक बार कोयले से कालिख दूर हो सकती है, लेकिन कांग्रेस से करप्शन दूर नहीं हो सकता। इन परिवारवादियों के लिए भ्रष्टाचार ही ऑक्सीजन है। बिना भ्रष्टाचार के ये लोग सियासत में सांस भी नहीं ले सकते। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक को कांग्रेस ने अपना परिवार एटीएम बना लिया है।

पार्टी और परिवार के खर्चे पूरे करने के लिए कर्नाटक की जनता की कमाई यहां से सप्लाई की जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग युवाओं से बड़े-बड़े वादे करके सरकार में बैठ गए, लेकिन आज ये उन्हीं युवाओं की स्कॉलरशिप रोक रहे हैं, स्कॉलरशिर में कटौती कर रहे हैं। ये कांग्रेस ही है जो नौजवानों का हक मारने का पाप कर रही है। कांग्रेस की लूट का हाल ये है कि छोटे-छोटे विकास कार्यों के लिए भी सरकार के पास पैसे ही नहीं है...क्या कोई सरकार ऐसे चल सकती है क्या?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'जब हम कहते हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है तो पूरी दुनिया उसे स्वीकार करती है। दुनिया को कोई एतराज नहीं है, लेकिन जब ये बात कांग्रेस वाले सुनते हैं तो सुनते ही उनके पेट में दर्द होना शुरू हो जाता है। ये लोग दुनिया भर में जाकर हमारे देश को, हमारे लोकतंत्र को, हमारी महान परंपराओं को बदनाम करते हैं।'

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, यासीन मलिक की पार्टी पर और पांच साल रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक के संगठन पर प्रतिबंध बढ़ा दिया गया है। नरेंद्र मोदी सरकार ने एलान किया कि जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट पांच साल के लिए एक गैरकानूनी संगठन रहेगा।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर में आतंक और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में शामिल है। मोदी सरकार ने जेल में बंद आतंकवादी यासीन मलिक के नेतृत्व वाले जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट, जम्मू कश्मीर पीपुल्स फ्रीडम लीग और जम्मू-कश्मीर पीपुल्स लीग के चार धड़ों पर प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें, गृह मंत्रालय ने 2019 में आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के तहत मलिक के संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस कदम से कुछ दिन पहले, सरकार ने यूएपीए की धारा 3(1) के तहत जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगा दिया था। अमित शाह ने शनिवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर कोई देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देगा तो उसे कठोर कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। एक अलग अधिसूचना में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जे-के पीपुल्स लीग के चार धड़ों, जेकेपीएल (मुख्तार अहमद वाजा), जेकेपीएल (बशीर अहमद तोटा), जेकेपीएल (गुलाम मोहम्मद खान) और याकूब शेख के नेतृत्व वाले जेकेपीएल (अजीज शेख) पर भी प्रतिबंध लगा दिया। शाह ने कहा, मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जम्मू एवं कश्मीर लिबरेशन फ्रंट) का एलान किया है। यासीन मलिक गुट को अगले पांच साल की अवधि के लिए गैरकानूनी संगठन के रूप में नामित किया गया है। जम्मू कश्मीर पीपुल्स फ्रीडम लीग ने आतंकवाद के जरिए जम्मू कश्मीर को अलग थलग करने और उसे बढ़ावा देकर भारत की अखंडता के लिए खतरा पैदा किया है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'मोदी सरकार आतंकी गतिविधियों में शामिल लोगों और संगठनों के प्रति कठोर बनी रहेगी।'

ओवैसी ने सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका, मांग- कानून लागू करने पर लगे रोक

नई दिल्ली। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में ओवैसी ने नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने पर रोक लगाने की मांग की है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने भी सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की हुई है। हाल ही में सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर देशभर में सीएए लागू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में असदुद्दीन ओवैसी ने मांग की है कि सीएए कानून के तहत सरकार किसी को भी नागरिकता संशोधन कानून की धारा 6बी के तहत नागरिकता प्रदान न करे। सीएए के खिलाफ दायर याचिकाओं में सीएए कानून को संविधान के खिलाफ और भेदभावपूर्ण बताया गया है। शीर्ष अदालत में नागरिकता संशोधन कानून 2019 के खिलाफ 200 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई हैं। सीएए कानून को साल 2019 में ही संसद से मंजूरी मिली थी और उसके बाद से ही इस कानून का विरोध हो रहा है। नागरिकता संशोधन कानून 2019 के तहत सरकार पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से धार्मिक उत्पीड़न का शिकार होकर 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आने वाले शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। इस कानून के तहत हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान है, लेकिन इस कानून से मुस्लिम वर्ग को बाहर

रखा गया है। इसी वजह से इस कानून का विरोध हो रहा है। कानून का विरोध करने वाले लोगों का आरोप है कि इसमें धर्म के आधार पर भेदभाव किया जा रहा है, जो कि भारतीय संविधान के खिलाफ है। हालांकि सरकार का तर्क है कि सीएए में किसी की नागरिकता छीनने का प्रावधान नहीं है और सरकार ने साफ कहा है कि सीएए कानून वापस नहीं होगा।

'लोकसभा चुनाव से पहले किसान आंदोलन के जरिए अराजकता फैलाने का प्रयास'

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने आरोप लगाया है कि लोकसभा चुनाव से पहले किसान आंदोलन के जरिए अराजकता फैलाने का फिर से प्रयास किया जा रहा है। इसके जरिए पंजाब में अलगाववादी आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा है। आरएसएस ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में सैकड़ों माताओं और बहनों के खिलाफ किए गए अत्याचारों ने पूरे समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। संघ ने मणिपुर हिंसा पर भी चिंता जताई और कहा कि इसने समाज के दो वर्गों 'मैतेई और कूकी' के बीच अविश्वास पैदा किया है। महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा प्रस्तुत वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 में ये टिप्पणियां की गई हैं। बता दें, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नागपुर में अपनी प्रतिनिधि सभा की मेजबानी कर रहा है। यह संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। रिपोर्ट के समापन हिस्से 'नेशनल सीन' में देश की विभिन्न घटनाओं के बारे में बात की गई है। उन्होंने कहा कि साल 2024 अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए हमेशा जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2024 एक ऐतिहासिक तारीख है। किसानों के आंदोलन पर आरएसएस ने कहा, 'पंजाब में अलगाववादी आतंकवाद फिर पैर पसारने लगा है। किसानों के आंदोलन के बहाने, विशेष रूप से पंजाब में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अराजकता फैलाने के प्रयासों को फिर से शुरू किया गया है।' हजारों किसानों ने 13 फरवरी को अपनी मांगों, विशेष रूप से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करना शुरू कर दिया था। दिल्ली की तीन सीमाओं- सिंघू, टीकरी और गाजीपुर में दिल्ली मार्च की मांग कर रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती की गई है। सैकड़ों किसान अभी भी पिछले एक महीने से पंजाब-हरियाणा की सीमाओं पर बैठे हैं।

रेहड़ी-पटरी वालों का सर्वे कराएगी एमसीडी, केजरीवाल बोले- हम उनके लिए अच्छी व्यवस्था करना चाहते हैं

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के सभी रेहड़ी-पटरी वालों के लिए अच्छी खबर है। एमसीडी ने फैसला किया है कि हम सभी रेहड़ी-पटरी वालों का सर्वे कराएंगे। ताकि उन्हें इज्जत की जिंदगी मिले, वे इज्जत के साथ अपना काम कर सकें। केजरीवाल ने कहा कि सड़क के किनारे रेहड़ी-पटरी लगाकर काम करना मुश्किल होता है। कभी पुलिस परेशान करती है, कभी कमेटी तो कभी अफसर आकर परेशान करती है। हम चाहते हैं कि उन्हें इन परेशानियों से छुटकारा मिले। उन्हें इज्जत की जिंदगी मिले, वे इज्जत के साथ अपना काम कर सकें, अपनी दुकान लगा सकें। हमारी जिम्मेदारी है कि हम रेहड़ी-पटरी वालों को अच्छी व्यवस्था दें। इसके लिए हमने निर्णय लिया है कि जहां-जहां ऐसी दुकानें हैं उनका सर्वे किया जाएगा। जिसमें कितने दुकानदार किस इलाके में हैं, कौन-कौन कहां बैठता है जैसी जानकारी ली जाएगी। जिससे हम उनके लिए उचित व्यवस्था कर सकें। केजरीवाल ने आगे कहा कि इस सर्वे में कुछ महीने लगेंगे। जिसके बाद रेहड़ी-पटरी वाले अपनी दुकान बिना किसी परेशानी के

चला सकेंगे। उनसे कोई रिश्वत नहीं लेगा। ना कोई पुलिसवाला, कमेटी वाला कोई भी परेशान नहीं करेगा। ऐसी व्यवस्था की जाएगी जिससे किसी को भी कोई परेशानी होगी। रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले सब अपने हैं, इनका ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है, इनके बिना हमारा काम नहीं चल सकता।

चुनावी बांड मामला, कंपनी ने 3 वर्षों में कमाए 215 करोड़ और दान कर दिया 1368 करोड़!

लागतार 4 वर्षों से एयरटेल घाटे में लेकिन दान कर दिया 198 करोड़, जिंदल स्टील एंड पावर और फार्मा प्रमुख डॉक्टर रेड्डी और टोरेंट फार्मास्युटिकल्स जैसी कंपनियां भी है लिस्ट में शामिल

प्रखर डेस्क। कुछ वर्षों पूर्व एक फिल्म आई थी जिसका नाम था "आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया" आप सभी ने तो जरूर देखा होगा। उसे फिल्म का थीम ही था कि जितना कमाई थी उसके कई गुना फिल्म में खर्च दिखाया गया। ऐसा ही एक मामला खुलकर सामने आया है। इन दिनों चुनावी बांड खरीदने का मामला लगातार सुर्खियों में है। इसी को लेकर एक कंपनी ने पिछले 3 वर्षों में 215 करोड़ का मुनाफा कमाया, लेकिन इन्हीं 3 वर्षों के बीच चुनावी बांड के रूप में 1368 करोड़ का दान कर दिया। अब चुनावी बांड मामले की जब परत दर परत खुलने लगी तो तमाम ऐसी कंपनियां सामने आने लगी जिसकी आमदनी अठन्नी थी, लेकिन उन्होंने खर्चा रुपैया नहीं हजारों में कर दिया। बतादे कि फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी ने 12 अप्रैल 2019 और 24 जनवरी 2024 के बीच चुनावी बांड के जरिए 1368 करोड रुपए का चंदा राजनीतिक दलों को दिया है। यह राशि कंपनी के उन तीन वर्षों में 215 करोड़ के शुद्ध लाभ की तुलना में 6 गुना अधिक है। 5 वर्ष की अवधि में चुनावी बांड के माध्यम से 50

करोड रुपए से अधिक का दान देने वाली कॉर्पोरेट संस्थाओं की सूची में ऐसी कुछ और कंपनियां भी शामिल हैं। जिन्होंने मुनाफा से अधिक दान दे दिया है। एक ऐसी भी कंपनी है जिसने अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा दान कर दिया है। बताते चले कि आईएफबी एग्रो इंडस्ट्रीज को 2019-20 से 2022-23 तक 175 करोड रुपए का संयुक्त रूप शुद्ध लाभ हुआ था। इसने 92 करोड रुपए का दान किया। इसी तरह हल्दिया एनर्जी ने 3 वर्षों में 1013 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया और इस बीच 377 करोड रुपए दान कर दिया। जो कंपनी की कुल कमाई का 37% होता है। और बड़ी कंपनियों में वेंदा, जिंदल स्टील एंड पावर, फार्मा प्रमुख डॉक्टर रेड्डी और टोरेंट फार्मास्युटिकल्स जैसी नामी कंपनियां भी शामिल है। जिन्होंने 50 करोड रुपए या उससे अधिक का दान दिया है। 4 वर्षों में उनके शुद्ध लाभ का दान एक प्रतिशत से भी कम है। कुछ कंपनियों ने तो 2-4% दान दिया है। भारत की सबसे सफल दूर संचार कंपनी में से एक भारतीय एयरटेल पिछले 4 वर्षों में घाटे में रही है। उसने इस दौरान 198 करोड रुपए का दान दिया है। बड़ा सवाल यह है कि आखिरकार इन कंपनियों ने घाटे में रहते हुए या फिर कम मुनाफा कमाते हुए, अधिक दान क्यों दिया? इस पर भी बड़ा सवालिया निशान खड़ा होता है?

अयोग्यता के खिलाफ छह विधायकों की याचिका पर सुनवाई करेगी अदालत

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय सोमवार यानी 18 मार्च को हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के छह बागियों की याचिका पर सुनवाई करेगा। उन्होंने हाल में हुए राज्यसभा चुनाव में 'क्रॉस-वोटिंग' की थी। जिसके बाद राज्य विधानसभा से उन्हें अयोग्य ठहराया गया था। छह बागियों में सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, राजिंदर राणा, इंदर दत्त लखनपाल, चेतन्य शर्मा और देविंदर कुमार भुट्टो शामिल हैं। इन सभी को कटौती प्रस्ताव और बजट के दौरान सदन में गैरहाजिर रहने और हिमाचल प्रदेश सरकार के पक्ष में वोट डालने के लिए कांग्रेस के व्हिप का उल्लंघन करने के लिए अयोग्य ठहराया गया था। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड सूची के मुताबिक सोमवार को याचिका न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ के सामने सुनवाई के लिए आएगी। उच्चतम न्यायालय 12 मार्च को जब याचिका पर सुनवाई कर रहा था तो पीठ ने याचिकाकताओं से सवाल किया था कि उन्होंने अपनी अयोग्यता को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का रुख क्यों नहीं किया। इस पर याचिकाकताओं के वकील ने कहा था कि यह एक दुर्लभ मामला है, जहां विधानसभा अध्यक्ष ने 18 घंटे के भीतर इन विधायकों को अयोग्य घोषित कर

दिया। याचिकाकताओं ने शीर्ष अदालत में दायर अपनी याचिकाओं में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, राज्य के संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान और अन्य को प्रतिवादी बनाया है। बागी विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद विधानसभा में सदस्यों की संख्या 68 से घटकर 62 हो गई है। जबकि कांग्रेस के विधायकों की संख्या 40 से घटकर 34 रह गई है।

संपादकीय

एक साथ चुनाव

ऐसे वक्त में जब लोकसभा चुनावों की घोषणा होने को है पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली एक समिति ने एक राष्ट्र, एक चुनाव मुद्दे पर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है। कोविंद समिति ने इस योजना के मद्देनजर दो चरणों की सिफारिश की है। पहला लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक साथ चुनाव करवाना, दूसरा सौ दिनों के भीतर नगरपालिकाओं और पंचायतों का चुनाव कराना। समिति ने शासन के तीनों स्तरों के चुनाव में उपयोग के लिये एक मतदाता सूची और मतदाता फोटो पहचान पत्र की भी सिफारिश की है। दरअसल, पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणापत्र में चुनावी खर्च घटाने, सरकारी संसाधनों की मितव्ययता ,सुरक्षा बलों का कुशलता से उपयोग सुनिश्चित करने तथा प्रभावी नीति नियोजन के लिये संसद, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिये एक साथ चुनाव के विचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जतायी थी। भारतीय जनता पार्टी की ओर से कहा गया था कि वह इस मुद्दे पर विभिन्न हितधारकों के मध्य आम सहमति बनाने का पुरजोर प्रयास करेगी। कोविंद समिति का कहना है कि इस दौरान देश के सैंतालीस राजनीतिक दलों ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के बाबत अपने विचार रखे। दावा किया जा रहा है कि इन दलों में से 32 राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव कराये जाने के सुझाव का समर्थन किया। निश्चित रूप से यह एक बड़ी चुनौती है कि साल भर देश के किसी न किसी राज्य में विधानसभाओं के चुनाव होते रहते हैं। जिसके चलते जहां चुनावी खर्च बेतहाशा बढ़ जाता है, वहीं नौकरशाही जनता के विकास कार्यों के बजाय चुनाव प्रबंधन में जुटी रही है। वहीं बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। ऐसे में पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के विचार को एक कारगर विकल्प के रूप में बताया जाता रहा है। लेकिन, इस विचार को अमली-जामा पहनाने में कई व्यावहारिक दिक्कतें भी हैं। निस्संदेह, आम चुनाव से पहले एक राष्ट्र, एक चुनाव के मामले को संबोधित करना भाजपा के एजेंडे का आखिरी बड़ा मुद्दा है। इसमें दो राय नहीं कि एक साथ चुनाव कराने के लिये एक सामान्य मतदाता सूची का विचार पहली नजर में लाभकारी नजर आ रहा है, लेकिन यह विचार अमल की चुनौतियों से मुक्त नहीं है। अकसर लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदाता अलग-अलग मुद्दों पर मतदान करते रहे हैं। इनमें मतदान का प्रतिशत व रुझान भी भिन्न दिखायी देता है। मसलन, वर्ष 2014 और 2019 में दिल्ली में लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी सीटों पर सफलता प्राप्त की, लेकिन वहीं आम आदमी पार्टी ने वर्ष 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में उल्लेखनीय जीत हासिल की। विपक्षी दलों का आरोप है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का मुद्दा भाजपा ने लोकसभा के साथ विधानसभा चुनावों में सफलता हासिल करने के लिये उछाला है। वे इसे केंद्र में सत्तारूढ़ दल की वोट हासिल करने की चाल बता रहे हैं। वहीं सवाल यह भी कि उन राज्यों में क्या स्थिति होगी, जहां पिछले दिनों विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए हैं। राजनेताओं की मांग है कि कोविंद समिति द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद इस विवादास्पद मामले में सर्वसम्मति बनाने के लिये सभी राजनीतिक दलों से बातचीत करनी चाहिए। निश्चित रूप से इतने बड़े देश में एक साथ चुनाव कराने के लिये व्यापक तैयारियों की जरूरत होगी। जिसके अंतर्गत चुनाव कराने में सहायक उपकरणों, चुनाव में ड्यूटी देने वाले कर्मचारियों की व्यवस्था व सुरक्षा बलों की तैनाती से जुड़े सभी पहलुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है। बेहतर व्यवस्था के लिये दीर्घकालीन नियोजन की जरूरत होगी। वहीं कुछ राज्यों में सत्ता पर काबिज विपक्षी दल इस कदम को देश के संघीय ढांचे के विरुद्ध बता रहे हैं। साथ ही इसे अलोकतांत्रिक व अव्यावहारिक भी बता रहे हैं। निश्चित रूप से एक देश, एक चुनाव मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों व आम लोगों में गंभीर विचार-विमर्श की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस मुद्दे पर आम सहमति व लोकतांत्रिक तरीके से विचार करके ही व्यावहारिक तौर पर इसे मूर्त रूप दिया जा सकता है।

हो गया ऐलान !

आखिरकार तारीखों का ।
हो गया ऐलान ।।
पता करें कब क्षेत्र में ।
आपके मतदान ।।
जाना जन दरबार है ।
लेने आशीर्वाद ।।
लगेगी गुहार और ।
पहुंचेगी फरियाद ।।
दौर शुरू विश्लेषण का ।
हर तरफ चौपाल ।।
गूंजनी आवाज है ।
रखें हमारा खयाल ।।
इंतजार की घड़ियां ।
खत्म हो गई आज ।।
बजा चुनावी बिगुल ।
पहनाने को ताज ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भाजपा को हरियाणा में खट्टर को थोड़ा पहले ही विदा कर देना चाहिए था

चेतनादित्य आलोक

आमतौर पर राजनीति के क्षेत्र में आने वाले तूफानों की भविष्यवाणी करना बेहद मुश्किल कार्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक तूफानों का पुरोवाक लिखना बहुत कम लोग ही जानते हैं... और जो जानते हैं वे तूफानों के आने पर विचलित नहीं होते, बल्कि शांत और प्रसन्न किंतु गतिशील बने रहते हैं। देखा जाए तो मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ कुछ-कुछ ऐसा ही हुआ। दरअसल, घटनाक्रम कुछ इस प्रकार आगे बढ़ा कि 11 मार्च को गुरुग्राम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की भूरी-भूरी प्रशंसा की और दूसरे दिन दोपहर तक खट्टर सरकार से बाहर हो गए या कर दिए गए, जिसे जो उचित लगे उसे वही समझ लेने की यहां पूरी गुंजाइश है। गौरतलब है कि खट्टर के साथ व्यतीत किए गए अपने पुराने दिनों की याद ताजा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने मनोहर लाल की प्रगतिशील मानसिकता के बारे में खुलकर बात की थी। गुरुग्राम में खट्टर के साथ मंच साझा करते हुए उन्होंने कहा- 'जब दरी पर सोने का जमाना था, तब भी हम साथ थे। उस समय इनके (खट्टर के) पास एक मोटरसाइकिल थी। हम लोग उसी पर सवार होकर हरियाणा भ्रमण करते थे।' प्रधानमंत्री ने कहा कि खट्टर मोटरसाइकिल चलाते थे और वे पीछे बैठा करते थे। हम रोहतक से निकलते थे और गुरुग्राम आकर रुकते थे। आश्चर्य होता है कि 11 मार्च को प्रधानमंत्री ने ये बातें कहीं और 12 मार्च को सुबह अचानक ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जननायक जनता पार्टी (जजपा) के बीच दरार एवं मुख्यमंत्री खट्टर के इस्तीफे की चर्चा शुरू हो गई। दृश्य मीडिया जगत यानी टीवी के खबरों की दुनिया में यह खबर सनसनी की तरह फैली और जब तक यह अपना पूरा प्रभाव छोड़ती तब तक यह खबर अपनी अंतिम परिणति तक पहुंच चुकी थी। तात्पर्य यह कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका था। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो मुख्यमंत्री खट्टर को तो जाना ही था, बल्कि सच कहा जाए तो उन्हें थोड़ा और पहले जाना चाहिए था। इससे नई सरकार को जनता के बीच अपना फेस-ऑफ करने तथा काम के बल पर अपनी इमेज बनाने का भरपूर समय मिल सकता था। गौरतलब है कि खट्टर का दूसरा कार्यकाल इसी वर्ष अक्तूबर में पूरा होना था। जाहिर है कि अक्तूबर में हरियाणा में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में लगभग 69 वर्षीय थके-हारे से दिखाई देने वाले सहज और सरल स्वभाव के स्वामी मनोहर लाल खट्टर के भरोसे भाजपा हरियाणा के दंगल में नहीं उतरना चाहती थी। यही नहीं, कुछ ही महीने पूर्व हरियाणा में हुए सांप्रदायिक दंगे के दौरान मुख्यमंत्री खट्टर का ढिलाई से पेश आना भी उनकी विदाई का एक बड़ा कारण रहा है। दरअसल, सांप्रदायिक दंगे के प्रति उनके सख्त नहीं होने से सरकार की छवि धूमिल हुई थी, जो भाजपा सुप्रीमो को रास नहीं आया था।

इसके अतिरिक्त खट्टर को हटाए जाने का एक प्रमुख कारण राज्य में लगभग 10 वर्षों तक सत्ता की बागडोर संभालने वाली खट्टर सरकार के विरुद्ध एंटी इंकम्बैंसी का फैक्टर भी माना जा रहा है। वैसे देखा जाए तो मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की विदाई के बाद मनोहर लाल खट्टर की विदाई भी लगभग तय ही मानी जा रही थीं, क्योंकि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के तौर पर शिवराज सिंह चौहान की छवि बेहद अच्छी मानी जा रही थी। साथ ही शासन और प्रशासन में उनकी भूमिका भी किसी प्रकार के वाद-विवाद अथवा संदेह से परे थी। उसके बावजूद जब उन्हें बैठा दिया गया, तब भला मनोहर लाल खट्टर की विदाई कैसे नहीं होती। वैसे शिवराज सिंह और मनोहर लाल, दोनों को इस बार पार्टी ने एक ही तरीके से सरकार से बाहर का रास्ता दिखाया। दोनों घटनाओं में कई समानताएं भी हैं, यथा दोनों को अचानक हटाया जाना, दोनों के करीबियों को ही मुख्यमंत्री के रूप में चुना जाना और इन दोनों के हाथों ही नए मुख्यमंत्रियों को मुस्कुराते हुए ताज पहनवाना आदि। हालांकि दोनों घटनाओं में एक बड़ा अंतर भी है और वह यह कि दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों की मुस्कराहटों में बड़ा अंतर था। एक ओर जहां शिवराज सिंह चौहान की मुस्कराहट के पीछे कुछ खोने का दर्द और अफसोस का भाव स्पष्ट देखा जा सकता था, वहीं, मनोहर लाल खट्टर की मुस्कराहट हमेशा की तरह सहज, सरल और शालीन बनी हुई थी। गौरतलब है कि राजनीति में मुस्कराहटों का अपना एक फलसफा होता है। ये मुस्कराहटें बहुत कुछ कहती हैं। ये पीछे छूट चुके समय के दर्द और दुख को तो बताती ही हैं, साथ ही आगत खुशियों और परेशानियों को भी बयां करने में सक्षम होती हैं।

गौर करें तो उपर्युक्त दोनों घटनाओं में ऐसा ही हुआ है। जहां शिवराज सिंह चौहान नाराज और दुखी हैं, वहीं मनोहर लाल खट्टर खुश और आश्वस्त हैं। मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद दोनों नेताओं की भाव-भंगिमाओं को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि शिवराज सिंह अपनी विदाई को लेकर अनजान थे, जबकि मनोहर लाल को पता था कि अब राज्य में उनकी भूमिका खत्म हो गई है और केंद्र में मोदी जी के साथ कार्य करने का समय आ चुका है। बहरहाल, घटनाक्रम इतनी तीव्रता से आगे बढ़ता चला गया कि लोग एक के बाद एक क्रमशः बदलते परिदृश्यों में उलझकर रह गए। यह सोचकर लोग हैरत में थे कि 11 मार्च को मादी जी ने खट्टर की प्रशंसा की, 12 को दोपहर तक वे हटा दिए गए और शाम होते-होते उनके बेहद करीबी माने जाने वाले और कभी उनके मातहत रहने वाले राजनेता नायब सिंह सैनी राज्य के 11वें मुख्यमंत्री बना दिए गए। बता दें कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा में भाजपा का बड़ा ओबीसी चेहरा हैं। फिलहाल वे भाजपा से लोकसभा के सदस्य हैं, जो हरियाणा में कुरुक्षेत्र निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। सैनी राजनीति में आने से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े थे। आरएसएस में रहते हुए ही उनकी मुलाकात तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से हुई थी, जिसके कुछ समय बाद ही वे भाजपा में शामिल हो गए थे। इस प्रकार उनकी राजनीतिक यात्रा भाजपा के एक कार्यकर्ता के तौर पर शुरू हुई थी। उसके बाद उन्होंने हरियाणा में ही पार्टी के स्थानीय स्तर के कई कार्यालयों में कार्य किया। वर्ष 2010 में पार्टी ने उन्हें नारायणगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ाया, जिसमें वे रामकिशन गुर्जर से हार गए। पुनः 2014 में उन्हें पार्टी ने टिकट दिया और इस बार उन्होंने 24,361 मतों से जीत दर्ज की।

नैतिक दायित्वों की अनदेखी से उपजा संकट

शैली वालिया

गाजा में जिस तरह बेगुनाह नागरिकों का नरसंहार, बेइज्जती और उत्पीड़न देखने को मिल रहा है और उस पर शांति कायम रखवाने वाली एजेंसियां बेशर्मी से निष्क्रिय और मरणासन्न बनी हुई हैं, वह एक सभ्यतागत त्रासदी है। इस्राइली नेतृत्व निर्भीक होकर ढीठ बना ताकत की हनक में डूबा पड़ा है, और अंतर्राष्ट्रीय कानून की पूरी तरह अवमानना करने के बावजूद लाभ ले रहा है। बुजुर्ग औरतों को अपने युवा बेटों की लाशों पर पीड़ा से क्रंदन करते देख किसी की भी आंखों में आंसू आ जाएं, लेकिन सरकारें निर्विकार बनी हुई हैं। विशेषकर अमेरिका की, जिसने संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना को लेकर पेश किए गए प्रस्ताव को पुनः ढिठाई से वीटो कर दिया है। इससे सत्य और नैतिकता युक्त अंतरात्मा की आवाज दबकर रह गई है। जैसा कि नाटककार हैरोल्ड पिंटर ने कहा है, सत्य की खोज कभी बंद नहीं हो सकती, खासकर ऐसे अंधे वक्त में, जब नाना किस्मों के झूठों ने हमें भरमा रखा है और व्हाइट हाउस एवं बड़े कॉर्पोरेट्स द्वारा पोषित आतंकवाद की करतूतें दुनियाभर में जारी हैं। कफन में लिपटी अपनी पत्नी के शव पर पति को सिर रखकर रोते देखना हृदयविदारक है। एक मां रानिया अबू ने कुछ दिन पहले पति गंवा दिया था और अब चार महीने के जुड़वां बेटा-बेटी में बेटे को भी। अपने पुत्र की लाश पर हाथ मार बिलखती वह मां पीड़ा में उसकी देह को दफन के लिए ले जाने से रोकती हुई दुहाई देती है, मेरे जिगर का टुकड़ा चला गया, हम तो सो रहे थे न कि गोलियां चला रहे थे, न ही हम लड़ रहे थे। उसका कसूर क्या था? अब मैं कैसे जी पाऊंगी? बेटे की दुधमुंही जुड़वां बहन, जो रिश्तेदारों की गोद में कपड़ों में लिपटी पड़ी है, वह भी सुबक रही है लेकिन उसे क्या पता कि मां पर क्या गुजरी है। जिस तरह उसका भाई और अन्य परिवार वाले चले गए उस तरह जाने कितने हजार अन्य भी पत्थर हो चुके हमारे मानवीय मूल्यों के जागने से पहले चले जाएंगे। बेगुनाह हमेशा भुगतते आए हैं।

ध्वस्त हुए अस्पताल के बाहर, खून से सनी पटड़ी पर पड़ी चौबीस लाशों का मंजर देखकर पत्थर दिल भी रो देगा। इनमें 11 से अधिक दुधमुंहे बच्चे हैं। बमबारी से तबाह हुए घरों की तस्वीरें, नागरिकों और सुरक्षाबलों के बीच खूनी झड़पों की दृश्यावली काफी न थी कि फलस्तीनियों के हालिया नरसंहार का मंजर झकझोर देता है, वे गए तो थे सामग्री पहुंचाने वाली गाड़ियों के सामने जिंदा रहने को भोजन के लिए हाथ फैलाने, पर झोली में पड़ी मौत। आखिर सामूहिक नरसंहार की परिभाषा में आने के लिए कितनों का होम होना जरूरी है ताकि युद्ध-अपराधियों को सजा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को जगने के लिए काफी माना जाए। गाजा में चल रहा नरसंहार हमें वियतनाम युद्ध और हिरोशिमा पर गिराए परमाणु बम के काले दिनों की याद दिलाता है। क्या यही है सभ्यता जिसके लिए क्रमिक विकास कर हम यहां तक पहुंचे हैं? जिसमें द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद न्यूरम्बर्ग में युद्ध अपराधियों पर चलाए गए मुकदमों जैसा कुछ है? क्या हम इसको सभ्यता कह सकते हैं जब पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री मैंडलिन ऑलब्राइट द्वारा किसी को कहे यह जालिमाना शब्द सुनने को मिलें, हां, उनकी मौत का इतना ही मोल था। यह वह राजनेता नहीं है जिनके अंदर युद्ध पीड़ितों के प्रति सहानुभूति दिखाने की काबिलियत हो, यह तो वह नेता है जो बदलाखोरी से ग्रस्त होकर नरसंहार का आनंद लेता है। नैतिकता के तमाम बोध या दायित्व को दरकिनार कर, जिसे सभ्य देश युद्ध में भी कायम रखना चाहेंगे। कला, सत्य और राजनीति नामक अपने लेखक में पिंटर यक्षप्रश्न पूछते हैं, हमारी नैतिक संवेदना को क्या हो गया है? क्या अब बाकी भी है? और हमारी अंतरात्मा को क्या हुआ? क्या सब मर चुके हैं? गाजा के पिछले कुछ महीनों के हालात देखें तो यह साफ हो जाता है कि आपराधिक जुल्म देखकर भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय कमोबेश अनदेखा कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस को अपना काम करने देने की शक्ति देने को कोई पक्ष राजी नहीं है, जो कि वस्तुतः युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है। यानी वे कृत्य जो सैन्य फायदा उठाने में असंगत हों, वे जो सैन्य और नागरिक निशानों में भेद न करें या जो नागरिकों में जख्मियों और मौत की हानि को न्यूनतम रखने की सावधानी बरतने में असफल रहे। लगता है अमेरिका ने खुद को जैसा जी चाहे वैसा हमला किसी पर करने-करवाने की छूट दे रखी है। इस युग में, जब सशस्त्र संघर्ष चहुंओर व्याप्त हैं, मुश्किलों के दर्दनाक स्वरूप की इससे ज्यादा झकझोरने वाली बानगी क्या होगी जब भयाक्रांत बच्चा मां से पूछे कि गोली लगकर मरने पर कैसा महसूस होता होगा और क्या खून बहने से रोकना संभव है। यह भूल जाना आसान है कि कैसे सैनिक गाहे-बगाहे या जानबूझकर बेगुनाह नागरिकों को रोजाना मार रहे हैं या अंगभंग करते रहते हैं। हालांकि, ऐसे सैन्य अभियानों का प्रचार सर्जिकल स्ट्राइक बताकर न्यायोचित बताया जाता है। लेकिन जानबूझकर और निर्ममता से आम नागरिकों की मौत का आंकड़ा अलग दास्तान बयान करता है। यमन में, जहां पर अमेरिका की शहप्राप्त सऊदी अरब के हवाई हमलों में हजारों की संख्या में नागरिक मारे जा चुके हैं, एक स्कूल पर गिरे बम में किसी प्रकार बच निकली आठ वर्षीय बच्ची ने जिस आवेगपूर्ण ढंग से अपना रंज व्यक्त किया वह खूनी दांत किटकटाने वाले असंवेदनशीलों के लिए आंखें खोलने वाला है, मेरे पिता कहते हैं वे मेरे खिलौने खरीदेंगे और नया स्कूलबैग भी। पर अब मुझे स्कूलबैग से नफरत हो गई। मैं तो स्कूल बस के पास भी नहीं फटकना चाहती। मुझे स्कूल से भी नफरत है, मैं सो नहीं पाती। अपने सपनों में उन दोस्तों को देखती हूं जो मुझसे उन्हें बचाने की गुहार लगाते हैं। इसलिए आज से मैं घर पर ही रहूंगी। यह तो दर्द की एक दास्तान भर है, यह तो केवल एक व्यथा है, अधिकांश अनकही है, लेकिन यह हमें याद दिलाती है कि युद्ध सिर्फ विध्वंस और खूनी हमलों का दूसरा रूप है। हैरानी है, आज के वक्त में हमें न्यूरम्बर्ग मुकदमों जैसा कुछ सुनने-देखने को नहीं मिलता। युद्ध को त्यागने जैसी भावना की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। हैरानी होती है कि हमारी सभ्यता के लोगों द्वारा क्या सैनिकों का महिमामंडन या युद्ध जीतने का जश्न मनाना ठीक है। मनुष्य की आने वाली नस्लों के भविष्य के लिए जरूरी सोच-विचार करना और किसी को मारने अथवा डराने के लिए सैनिक भेजना बंद क्यों नहीं किया जाता? क्यों नहीं उन त्रासदियों के बारे में सोचते जिससे युद्धग्रस्त लोगों को गुजरना पड़ता है। योजनाबद्ध परपीड़क क्रूरता, ज्यादतियों और सच का निर्दयापूर्वक गला घोंटने वाली करतूतों को कलमबद्ध क्यों नहीं किया जाता? नए-नए हथियारों पर खरबों-खरब खर्च करने की बजाय क्यों नहीं मुल्क ऐसी एजेंसियों का साथ देते जो शरणार्थियों और जिंदा बचे लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्धता से काम करती हैं।

चढ़ते सूरज को अर्घ्य देने को पाला बदल

हेमंत पाल

राजनीति एक ऐसी जगह है जहां सारे फैसले जमीर को किनारे रखकर लिए जाते हैं। इसमें जो कुछ होता है, वो सिर्फ तात्कालिक स्वार्थ के लिए होता है। नैतिकता, खुद्दारी और आत्मसम्मान को हाशिये पर रखकर वे ऐसे फैसले करते हैं, जिसमें निष्ठा और प्रतिबद्धता के लिए कोई जगह नहीं बचती। पार्टी बदल भी राजनीति में एक ऐसी ही घटना है, जो बहुत सामान्य हो गई। इन दिनों मध्यप्रदेश में कांग्रेस के नेताओं की भागमभाग लगी है। नेता पाला-बदल जुगाड़ में लगे हैं। उनकी सोच है कि यदि गले का दुपट्टा बदलने से स्वार्थ सिद्धि होती है, तो फिर उसमें बुराई क्या है!

करीब साढ़े तीन साल पहले मध्यप्रदेश की राजनीति में एक भूचाल-सा आया था। तब कांग्रेस के नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने 22 समर्थक विधायकों के साथ पार्टी से विद्रोह किया था। नतीजतन कांग्रेस की तत्कालीन कमलनाथ सरकार भरभराकर गिर गई। वर्ष 2018 का विधानसभा चुनाव हारी भाजपा ने फिर प्रदेश में सरकार बना ली। लेकिन, सिंधिया के विद्रोह की जड़ें इतनी गहरे तक उतर गई, कि वो आज भी पल्लवित हो रही हैं। यही वजह है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना आंककर कई भाजपा नेता कांग्रेस के पाले में आए थे। लेकिन, अब हवा उलटी चलती दिखाई दे रही है, तो लोकसभा चुनाव से पहले कई नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा का पल्ला थामने में लगे हैं। इनमें वे नेता भी हैं, जो पहले भाजपा से कांग्रेस में गए थे, वे अब यू-टर्न लेने लगे।

कुछ दिनों पहले मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके सांसद बेटे के भाजपा में जाने को लेकर भी बहुत हल्ला हुआ था। वह कोशिश राजनीतिक कारणों से साकार नहीं हो सकी, पर उसकी कमी कांग्रेस से चार बार राज्यसभा सदस्य रहे सुरेश पचौरी, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, विशाल पटेल के साथ तीन बार के सांसद रहे गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी ने पूरी कर दी। सभी समर्थकों संग भाजपा में शामिल हो गए।

आखिर कांग्रेस में ऐसा क्या हो गया कि उसमें भगदड़ जैसे हालात बन गए। रोज कोई न कोई बड़ा नेता भाजपा खेमे में खड़ा दिखाई देने लगा। इसके मूल में राजनीतिक कारणों से इतर कोई न कोई स्वार्थ नजर आता है। किसी ने टिकट न मिलने से नाराज होकर पार्टी छोड़ दी तो कुछ नेताओं के कारोबार पर आया संकट इसकी वजह है। लेकिन, सुरेश पचौरी जैसे 72 साल के नेता का कांग्रेस से क्यों मोहभंग हुआ और भाजपा में उनका क्या उपयोग है, ये किसी को समझ से परे है। कांग्रेस छोड़ने वाले ज्यादातर नेताओं का कहना है, कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का राम मंदिर लोकार्पण समारोह का निमंत्रण ठुकराना सही फैसला नहीं था। पार्टी में भगदड़ के जो हालात बने, उसका मूल कारण फिलहाल तो यही बताया जा रहा है। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को अंदाजा नहीं था कि इस फैसले का खमियाजा उन्हें इस तरह भुगतना पड़ेगा।

कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने के फैसले को कम से कम राजनीतिक विचारधारा में बदलाव तो नहीं कहा जा सकता। विचारधारा की जड़ें इतनी कच्ची नहीं होती कि झटके में उखड़ जाएं। अन्य कारण भी हैं, जिससे ये नेता कांग्रेस छोड़ने को मजबूर हुए। इंदौर के धन्नासेठ पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने अपने विधायक कार्यकाल में क्षेत्र के लोगों को अयोध्या की मुफ्त यात्रा कराई। राम मंदिर लोकार्पण को लेकर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के रवैये ने उन्हें आहत किया। ऐसे ही हर नेता के पास कोई न कोई तार्किक कारण है। एक आंकड़े के अनुसार पांच हजार से अधिक कांग्रेसियों ने पार्टी का ह्यहाथह्ण छोड़ दिया।

ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं, जो पहले भाजपा में रहे, फिर माहौल बदला तो कांग्रेस में आ गए, चुनाव जीतकर सांसद और विधायक बने और अब वापस लौट गए या लौटने वाले हैं। धार संसदीय क्षेत्र से तीन बार सांसद और एक बार मनावर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे आदिवासी नेता गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी ने भी गले में भाजपा का भगवा गमछा डाल लिया। जबकि, राजूखेड़ी का रणनीति में पदार्पण भाजपा का झंडा थामकर हुआ था। उन्होंने 1989 में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री रहे कांग्रेस नेता शिवभानु सिंह सोलंकी को मनावर में हराया था। लेकिन, इसके बाद वे भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आ गए और तीन बार सांसद चुने गए। उनका आरोप है कि कांग्रेस ने उनकी उपेक्षा की। लोकसभा चुनाव पैनल से नाम कटने पर उन्होंने पार्टी को अलविदा कहा।

वैसे इस दलदल से भाजपा को भी देर-सवेर नुकसान हो सकता है। इन नेताओं के आने से भाजपा के प्रतिबद्ध नेता हाशिये पर चले जाएंगे। जैसे ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके पूरे गुट के भाजपा में जाने के बाद प्रदेश के उन इलाकों में भाजपा के नेता हाशिये पर चले ही गए, जहां सिंधिया-गुट का दबदबा था। लेकिन राजनीति को हमेशा फास्टफूड की तरह देखा जाता है। तात्कालिक रूप से भाजपा को अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को खत्म करने का मौका मिल रहा है, तो वह उससे चूकेगी भी नहीं। लेकिन, भविष्य के राजनीतिक परिदृश्य की अनदेखी नहीं की जा सकती!

एआई आधारित अल्ट्रा पोर्टेबल एक्स-रे मशीन ने टीबी जांच प्रक्रिया को बनाया सुलभ व आसान : सीएमओ

वाराणसी। श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय जिला चिकित्सालय कबीरचौरा स्थित जिला क्षय रोग केंद्र (डीटीसी) पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित अल्ट्रा पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से विशेष स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया` मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी के निर्देशन में आयोजित पहले विशेष स्क्रीनिंग कैंप में 40 व्यक्तियों की जांच की गई जिसमें 10 व्यक्ति पॉजिटिव पाये गए इन सभी पॉजिटिव व्यक्तियों की अब सीबी नाट मशीन के द्वारा बलगम (स्पूटम) की जांच की जाएगी इसके बाद सभी रोगियों को निक्षय पोर्टल 2.0 पर नोटिफाई कर तत्काल उपचार शुरू किया जाएगा साथ ही निक्षय पोषण योजना के तहत डीबीटी के माध्यम से मरीज के बैंक खाते में निर्धारित धनराशि भेजी जाएगी` सीएमओ डॉ संदीप चौधरी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित अल्ट्रा पोर्टेबल एक्स-रे मशीन ने जनपद में टीबी जांच प्रक्रिया को बेहद खास, सुलभ और आसान बना दिया है एआई के माध्यम से की जा रही एक्स-रे जांच का परिणाम एक मिनट के अंदर मिल जा रहा है` टीबी सक्रिय रोगी खोज (एसीएफ) अभियान और टीबी प्रिवेंटिव थेरेपी (टीपीटी) को सुदृढ़ करने के लिए सरकार की ओर से यह खास पहल की गई है इसमें विलियम जे

क्लिंटन फाउंडेशन (डबल्यूजेसीएफ) व सेंटर फॉर हेल्थ रिसर्च इनोवेशन (सीएचआरआई) का अहम योगदान है` जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ पीयूष राय ने बताया कि सेंट्रल टीबी डिवीजन के द्वारा डब्ल्यूजेसीएफ एवं सीएचआरआई के सहयोग से यह एक्स-रे मशीन प्राप्त हुई है यह सुविधा उन उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की टीबी यूनिट या वार्ड, ब्लॉक व गांव में विशेष रूप से प्रदान की जा रही है जहां एसीएफ अभियान के दौरान सर्वाधिक टीबी रोगी मिले हैं अथवा मिलते हैं` इन स्थानों को चिन्हित कर लिया गया है जहां पर विशेष शिविर लगाकर टीबी के संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों की जांच एआई आधारित एक्स-रे के द्वारा की जा रही है उन्होंने बताया कि अगले एक माह तक नगर की टीबी यूनिट क्रमशः डीटीसी, राजघाट, चौकाघाट, भेलूपुर, चेतगंज और पाण्डेयपुर में विशेष स्क्रीनिंग शिविर लगाकर टीबी संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों की एक्स-रे जांच की जाएगी` एमओटीसी डॉ अन्वित श्रीवास्तव ने बताया कि एक्स-रे जांच में पॉजिटिव आने वाले व्यक्तियों के बलगम की जांच सीबी नाट के जरिये की जाएगी इसमें टीबी की पुष्टि होने पर तत्काल रोगियों का उपचार शुरू किया जाएगा` सरकार की ओर से सभी राजकीय चिकित्सालयों और स्वास्थ्य केन्द्रों में जांच व उपचार की सुविधा उपलब्ध है ` सीएचआरआई की डिस्ट्रिक्ट सुपरवाइजर निष्ठा वर्मा ने बताया कि यह पायलट प्रोजेक्ट वाराणसी समेत गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, देवरिया, अम्बेडकर नगर और आगरा में संचालित किया जा रहा है` इस मौके पर जिला पीपीएम समन्वयक नमन गुप्ता, डीपीटीसी विनय मिश्रा, कम्युनिटी को-ऑर्डिनेटर चन्दन व सत्यप्रकाश, टेक्नीशियन रामाशीष, एसटीएस, एसटीएलएस, डाटा ऑपरेटर एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

शिक्षित बालिकाओं से ही सभ्य समाज का निर्माण : प्रतिमा सिंह

मुफ्तीगंज (जौनपुर)। माइक्रोटेक कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी एवं माइक्रोटेक इंटरनेशनल स्कूल मूर्तजाबाद केराकत जौनपुर में "मिशन शक्ति" के तहत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन मे नारी की प्रगति एवं सशक्तिकरण' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती की आराधना के साथ हुआ। गोष्ठी में कॉलेज एवं स्कूल की छात्राओं ने समाज में महिलाओ के साथ हो रहे विभिन्न आपराधिक घटनाओ का उदाहरण देते हुए कहा कि आज भी महिलाये लेंगिक भेदभाव का शिकार हो रही है किसी भी राष्ट्र के सवार्गीण विकास के लिए यह आवश्यक है की महिलाएं शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से विकसित हो और यह तभी संभव है जब उन्हें शिक्षित किया जाए। छात्राओं ने बताया कि संविधान ने महिलाओं को शक्तियां एवं अधिकार प्रदान किए हैं। परन्तु हर प्रकार के भेदभाव, शोषण, अन्याय, अत्याचार एवं दमन का मुकाबला उन्हें स्वयं ही करना होगा तभी स्त्रियों की स्वतंत्र पहचान बन पाएगी और व्यापक रूप से उनका अस्तित्व कायम हो पाएगा। इस गोष्ठी कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि श्री मती प्रतिमा सिंह उप निरीक्षक कोतवाली केराकत ने कहा कि नारी सशक्तिकरण एवं उनकी प्रगति के लिए आवश्यक है कि उनको बुनियादी सुविधाओं के साथ आधुनिक सुविधाएं मिलें जिससे वह पुरुषों के समाज में अधिक सक्षम होकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और कार्यक्षमता का लोहा मनवा सकें। माइक्रोटेक कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव ने कहा की नारी का अस्तित्व ही सशक्त समाज का आधार है, महिलाएं बहुमुखी प्रतिभा की धनी होती हैं, केवल आवश्यकता है की उन्हें निर्भय और मुक्त भाव से काम करने का अवसर प्रदान हो। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा की आज लड़कियां आत्मनिर्भर हो रही हैं और कंधे से कंधा मिलाकर विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। महिलाओं को सामान अधिकार और मान देने से ही देश की शान बढ़ेगी।

रोवर्स रेंजर्स का प्रशिक्षण शिविर छात्र- छात्राओं के व्यक्तित्व में अनेक सद्गुणों का आधान करता है : डॉ. तरन्नुम बानो

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां, गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सहजनवा, गोरखपुर में शनिवार को महाविद्यालय में संचालित सहजनवा रोवर्स क्रू एवं सजनवा रेंजर्स टीम के संयुक्त पञ्च दिवसीय प्रशिक्षण एवं जाँच शिविर का आरंभ हुआ । कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. तरन्नुम बानो द्वारा विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती एवं स्काउटिंग के जनक लार्ड बेडेन पावेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया । महाविद्यालय की बीए द्वितीय वर्ष की छात्राओं नंदिनी सिंह एवं लक्ष्मी सिंह के द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वन्दना की प्रस्तुति की गई । तत्पश्चात रेंजर्स टीम प्रभारी मनीषा के द्वारा पुष्पगुच्छ एवं रोवर्स टीम प्रभारी डॉ. महन्थ यादव के द्वारा स्मृति चिह्न प्रदान कर मुख्य अतिथि प्राचार्या जी को सम्मानित किया गया । इसके अनंतर रोवर्स टीम प्रभारी डॉ. महन्थ यादव के द्वारा

अतिथियों के प्रति स्वागत उद्बोधन एवं पञ्च दिवसीय कार्यक्रम की परिचयात्मक भूमिका प्रस्तुत की गयी । इसके पश्चात रोवर्स टीम के प्रशिक्षक श्री शिवा कुमार एवं रेंजर्स टीम की प्रशिक्षक श्रीमती इशरत सिद्दीकी द्वारा छात्र-छात्राओं को स्काउटिंग के विविध प्रकार के नियम-निदेशों की विस्तार से जानकारी दी गयी । छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. तरन्नुम बानो ने रोवर्स-रेंजर्स के प्रशिक्षण शिविर के महत्त्व को बताते हुए कहा कि "रोवर्स-रेंजर्स का प्रशिक्षण शिविर छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व में सेवा-भावना, उदारता, बन्धुत्व आदि अनेक सद्गुणों का आधान करता है तथा युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान प्रदान करने हेतु प्रेरित करता है ।" कार्यक्रम का संचालन रेंजर्स टीम प्रभारी मनीषा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अंकिता मद्धेशिया द्वारा किया गया । कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ । इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के डॉ. दीपक सोनी, श्री अमित गोयल, श्री पवन कुमार, डॉ. रजनी गुप्ता, श्रीमती ममता गौतम, शालिनी त्रिपाठी, नूपुर शुक्ला, पायल भारती, सोनम शर्मा, ज्योति विश्वकर्मा, मृत्युंजय पाल, शिवम, दीपक आदि उपस्थित रहे ।

सुकन्या समृद्धि योजना का कमजोर वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव: डॉ. रूचि मूर्ति सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित गाजीपुर में सुकन्या समृद्धि योजना का कमजोर वर्ग पर प्रभाव विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर द्वारा किया गया है। यह कार्यशाला समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ० रूचि मूर्ति सिंह द्वारा उपरोक्त विषय पर की गई अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान व्यक्तिगत के तहत संपन्न की गई। शोध परियोजना के अंतर्गत शोध परिणामों को लेकर जानकारी दी गई। कार्यशाला दो सत्रों में संपन्न हुई जिसमें प्रथम सत्र का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी गाजीपुर के प्रतिनिधि श्री दिनेश कुमार अपर जिलाधिकारी के साथ चंद्रशेखर यादव एएसडीएम सदर, संजय कुमार सोनी जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं युनीसेफ से रिजवाना परवीन एवं प्राचार्य प्रोफे० डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य

वक्ता प्रोफे० डॉ० एस० डी० सिंह परिहार मुख्य नियंता ने सुकन्या समृद्धि योजना पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र के दौरान प्रमुख अनुसंधान कर्ता डॉ० रूचि मूर्ति सिंह द्वारा अपने अनुसंधान के परिणामों से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए कहा गया कि गाजीपुर जैसे पिछड़े जनपद में सुकन्या समृद्धि योजना का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इस योजना से गाजीपुर जनपद की मुख्यतः कमजोर वर्ग की बालिकाएं एवं महिलाएं विशेष रूप से लाभान्वित व सशक्त हो रहीं हैं। उन्होंने इस योजना को इस पिछड़े हुए क्षेत्र के लिए नारी सशक्तिकरण के मार्ग में दीर्घकालिक कदम के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना की जनपद में प्रासंगिकता, प्रभावशीलता एवं कार्य क्षमता पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में लगभग 120 प्रतियोगियों ने भाग लिया जिसमें प्राध्यापक , शोधार्थी, ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बैंक, पोस्ट ऑफिस के विभिन्न कर्मचारी एवं अधिकारी आदि सम्मिलित रहे। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे० डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा हितधारक के रूप में इण्डियन बैंक के शाखा प्रबंधक विपुल कुमार सिंह को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम द्वारा सम्मानित किया गया है।

आईटीएम कालेज में एक्सपर्ट टॉक शो का आयोजन संस्थान के डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में हुआ सम्पन्न

सहजनवां, गोरखपुर। इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट गीडा, गोरखपुर मे व्यवसाय व प्रबंधन के छात्रों के लिए एक एक्सपर्ट टॉक शो का आयोजन संस्थान के डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम सभागार मे किया गया` इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाही बिजनेस एंड मैनेजमेंट कंसल्टेंसी के प्रमुख एवं मोटिवेशनल वक्ता हरिशंकर शाही रहे` कार्यक्रम के आरम्भ मे संस्थान के डीन ऐकडेमिक डॉ आर पी सिंह ने अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देखकर मुख्य अतिथि को सम्मानित कियो मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन मे उद्देश्य का होना बहुत जरुरी हैं बिना उद्देश्य के अप जीवन मे कुछ भी नही कर सकते हैं` आपको उद्देश्य को पूरा करने के लिए शारीरिक एवं मानसिक रूप से ठीक रहना होगा और साथ ही सकारात्मक सोच के साथ अपने आप पर भरोसा रखना होगा` साथ ही उन्होंने कहा कि हमें नकारात्मक सोच से बचना होगा और हमारे जीवन जीने कि प्रकिया से ही हमारे जीवन की सफलता तय होती हैं` उन्होंने कार्यक्रम के अंत मे छात्रों के द्वारा पूछे गये सभी प्रश्नों का उत्तर बहुत ही सरल शब्दो मे दिये` संस्थान के निदेशक डॉ एन के सिंह ने कहा कि ऐसे विशषज्ञों के अनुभव से छात्रों को बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता हैं और वो उन सभी बातों का अपने जीवन मे ठीक प्रकार से प्रयोग कर सकते हैं` कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार मिश्रा ने किया` इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षकगण एवं छात्र- छात्राएं मौजूद रहे।

शहर में लाखों मुसलमानों ने अदा की रमजान के पहले जुमे की नमाज

जौनपुर। पवित्र रमजान महीने के आज पहले जुमे की नमाज शहर भर में लाखों मुसलमानों ने विभिन्न मस्जिदों में अदा की। इस अवसर पर ऐतिहासिक शाही अटाला मस्जिद में हजारों मुसलमानों को खेताब करते हुए मौलाना

आफाक ने कहा कि रोजा इंसान को बुराइयों से रोक कर अच्छाईयों की तरफ ले जाता है। उन्होनें बताया कि हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैही वसल्लम का फरमान है कि रोजा इंसान के लिए बुराइयों से ढाल है जब तक वह इसे फाड़ ना डाले। जकात व फितरा के बारे में भी उन्होंने बताया। इस मौके पर इमाम ए जुमा शाही अटाला मस्जिद मौलाना सलाहुद्दीन ने नमाज ए जुमा अदा कराई। शाही झंझरी मस्जिद में जुमे की नमाज अदा कराई गई इसके पहले अपनी तकरीर में मौलाना ने कहा कि रोजा रखने का मतलब सिर्फ भूखे प्यासे रहना नहीं है। रोजेदार पर लाजमी है कि वो अपनी आंखों, अपनी जबान और कानों का भी रोजा रखे और किसी की तरफ गलत निगाह ना डाले और अपनी जबान से लोगों को तकलीफ ना पहुंचाएं। शाही जामा मस्जिद (बड़ी मस्जिद)मे मौलाना अबू हुरैरा मुल्ला टोला ने जुमे की नमाज अदा कराई उसके पहले उन्होंने बताया की रोजेदारों को चाहिए कि वह अपने पड़ोसियों, रिश्तेदारों में उन लोगों का भी ख्याल रखें जो कि गरीबी की वजह से रमजान में परेशान नजर आते हैं। शाही पुल स्थित शेर मस्जिद के कारी इश्तेयाक जिया जौनपुरी ने जुमे की नमाज अदा कराई उसके पहले उन्होंने कहा कि गरीब की मदद करना हम पर लाजिम है। रोजा खास अल्लाह के लिए रखा जाता है और इसका बदला इंसान को अल्लाह ही देगा, जिसका अंदाजा भी इंसान नहीं लगा सकता। खानकाह रशिदिया मीरमस्त मे मौलाना मेराज ने जुमे की नमाज अदा कराई उसके पहले उन्होंने कहा कि अल्लाह ताआला को रोजेदार के मुंह की बू मुश्क की खुशबू से ज्यादा पसंद है। रोजेदार को चाहिए कि वह रमजान में नेकी करने की आदत डालें ताकि रमजान के बाद वह नेकी करता रहे। मदीना मस्जिद नवाब साहब का आहाता मे मौलाना अहमद रजा जाफरी ने जुमे की नमाज अदा कराई उसके पहले नमाजियों को सम्बोधित करते हुए उन्होनें कहा कि अगर हमारा रोजा हमें झूठ बोलने, बुरी निगाह से ताकने, गंदी बातें करने, हराम कमाने, शराब पीने से नहीं रोकता तो इस बात को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि वह इंसान रोजेदार नहीं है। उन्होनें कहा कि रमजान के तीस दिन हमें तमाम बुराइयों को छोड़ कर खुदा के हुक्म के मुताबिक जीवन व्यतीत करना चाहिए। इस अवसर पर मरकजी सीरत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हफीज शाह ने कहा की सभी मस्जिदों मे अकिदत के साथ जुमे की नमाज अदा की गयी और प्रशासन व नगर पालिका का पूरा सहयोग मिला। हफीज शाह ने बताया की आज पवित्र रमजान के पहले जुमे की नमाज के मौके पर लाखों मुसलमान मस्जिदों में इक्ट्ठे हुए जहां पर नमाज के बाद दुनिया व मुल्क में अमन की दुआएं भी मांगी गई।

युवा समाजसेवी ने प्राथमिक स्कूलों के बच्चों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

बदलापुर (जौनपुर)। प्राथमिक विद्यालयों में दी जा रही शिक्षा को और प्रभावशाली बनाने की दिशा में सरकार के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं का भी विशेष महत्व है। कंपोजिट विद्यालय, शाहपुर सानी में आज श्री दुर्गा पूजा समिति के बैनर तले युवा समाजसेवी सतीश जयकृष्ण तिवारी ने एक दर्जन परिषदीय विद्यालयों के दो हजार छात्रों को निःशुल्क शिक्षा सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि जिला प्रोवेशन अधिकारी (डीपीओ) व बीईओ ने देवी सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बल पर ही देश की तरक्की संभव है। शिक्षित व्यक्ति ही राष्ट्र को एक नया आयाम प्रदान करता है। ऐसे छात्र जिनके माता पिता का निधन हो गया हो, उन्हें शिक्षा से जोड़ने के लिए सरकार हर साल पच्चीस हजार रुपए का आर्थिक सहयोग करेगी। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा के लिए धन मुहैया कराया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी शिखा मिश्रा ने कहा कि अब परिषदीय विद्यालय योग्य शिक्षक और संसाधनों से परिपूर्ण है। छात्रों की तादात बढ़ रही है। अभिभावकों का भी विश्वास परिषदीय विद्यालयों की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने बच्चों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत के साथ साथ कई टिप्स भी दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अनुराग त्रिपाठी तथा संचालन बिपिन तिवारी ने किया। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनिल यादव, ब्लाक अध्यक्ष उमेश मिश्रा, सुधीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी, प्रमोद यादव, मंत्री रायसाहब यादव, रचित, प्रवीन, सूरज, अभिषेक, संजीव यादव, अमरनाथ तिवारी, भागवत तिवारी, राजीव पांडे आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा बिगुल बजने से पहले सदर तहसील में संपूर्ण समाधान का किया गया आयोजन

गोरखपुर। आगामी लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने से पहले अंतिम संपूर्ण समाधान तहसील सदर की अध्यक्षता सीडीओ संजय कुमार मीना सदर तहसील सभागार में आए हुए फरियादियों की समस्याओं का किया निराकरण अब लोकसभा चुनाव की मतगणना 4 जून 2024 को समाप्त होने के बाद तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। सदर तहसील में आए हुए फरियादियों की फरियाद एसडीओ संजय कुमार मीना द्वारा सुना गया आए हुए समस्त फरियादियों के समस्याओं को त्वरित न्याय देने का संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया एसडीओ ने कहा कि किसी भी फरियादी को बार-बार परेशान ना किया जाए अगर परेशान करने की शिकायत किसी भी अधिकारी के खिलाफ सूचना मिलती है तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी शासन स्तर पर दिए गए निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करें शत प्रतिशत फरियादियों को न्याय संगत न्याय देने का कार्य करे। तहसील दिवस में अधिकतर जमीनी विवाद और पारिवारिक विवाद या न्यायालयों में चल रहे मुकदमे जैसे मामलों के फरियादी आए हुए थे। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी तहसीलदार सदर विकास कुमार सिंह तहसीलदार न्यायिक विकास कुमार एसओसी शशिकांत सी ओ चकबंदी दीवान बाजार विनोद जैसल नायब तहसीलदार देवेंद्र यादव नायब तहसीलदार प्रमोद कुमार श्रीवास्तव नायब तहसीलदार अरविंद नाथ पांडेय नायब तहसीलदार आकांक्षा पासवान सहित कानूनगो लेखपाल व जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अग्निवीर में चयनित आलोक को किया गया सम्मानित

बदलापुर (जौनपुर)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के चंदापुर गांव निवासी आलोक यादव पुत्र महेंद्र प्रताप यादव का अग्निवीर भर्ती परीक्षा में अंतिम रूप से चयन हुआ। चयनित अग्निवीर युवक को सम्मानित करने के लिए शुक्रवार को क्षेत्र के सुल्तानपुर रोड पर संचालित एस.आर. डिजिटल लाइब्रेरी मे सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें वर्गो बालिका इंटर कालेज की प्रिंसिपल माया सिंह, डॉ सुरेश चंद्र मौर्य आदि ने अग्निवीर भर्ती में सफल युवक को माल्यार्पण कर सम्मानित किया एवं मुंह मीठा कराकर चयन होने पर उन्हें ढेर सारी बधाइयां दी। चयनित आलोक ने बताया हाईस्कूल गणेशराम इंटर कॉलेज बटाऊबीर इंटर की परीक्षा राजा हरपाल सिंह इंटर कॉलेज सिंगरामऊ से उत्तीर्ण करने के बाद एस.आर. डिजिटल लाइब्रेरी मे सेल्फ स्टडी करके अग्निवीर भर्ती परीक्षा की तैयारी शुरू की। वहीं दूसरे प्रयास में उन्हें सफलता मिली। इस मौके पर लाइब्रेरी के निर्देशक कमलेश कुमार अंशिका श्रीवास्तव नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

आजाद सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ जोरदार स्वागत

महराजगंज (जौनपुर)। स्थानीय केवटली बाजार स्थित में प्राचीन श्री राम जानकी मंदिर पर आगमन जहां उन्होंने भगवान श्री रामचंद्र माता जानकी लक्ष्मण का दर्शन कर कहां कि विगत 10 मार्च को 551 श्री रामचरितमानस की प्रति एवं 51 विशिष्ट जनों का सम्मान एवं सनातन समागम का आयोजन तिलक पैलेस जौनपुर में किया गया था जहां पर राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा श्री रामचरितमानस वितरण किया गया जहां वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि संगठन का उद्देश्य है हर घर में श्री रामचरितमानस पहुंचे और नवयुवक उसे पढ़कर सद मार्ग पर चलें मंदिर परिसर में दर्जनों लोगों को श्री रामचरितमानस की प्रति दी गई जहां मंदिर संरक्षक अमित पाण्डेय ने इस पुनीत कार्य के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप पाण्डेय जोगी को आभार व्यक्त किया और ऐसे कार्य के लिए शुभकामना दी। इस मौके पर अखिलेश पाण्डेय, जितेंद्र त्रिपाठी, गिरीश पाण्डेय, वतन पाण्डेय, नागेंद्र मिश्र, सुरेंद्र तिवारी, आशीष पाण्डेय आकाश सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने ई0वी0एम0 गोदाम का किया निरीक्षण

मीरजापुर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट प्रियंका निरंजन ने आज भिस्पुरी स्थिति ई0वी0एम0 गोदाम में पहुंचकर निरीक्षण किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि चन्द्रांशु गोयल, राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि छोटे खान के अलावा अन्य राजनीतिक दलो के प्रतिनिधि व अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, एसो0सी0 चकबन्दी, सहायक निर्वाचन अधिकारी अलोक शर्मा उपस्थित रहें। इस अवसर पर निर्वाचन आयोग के दिशा निदेशों के अनुसार ई0वी0एम0 गोदाम के कक्ष को खोलकर राजनीतिक पार्टियो के पदाधिकारियों को चेक कराते हुये पुनः उन्ही के सामने गोदाम को सील किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने गार्ड रजिस्टर सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया।

डीसीएम के टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

चुनार(मीरजापुर)। डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार की मौत होगई दो अन्य घायल हो गए। अदलहाट थानांतर्गत कोलना ग्राम निवासी अभिषेक सिंह (20) वर्ष पुत्र सर्वेश सिंह गाँव के ही अपने दो मित्र प्रिंस व अमन के साथ बाईक से शुक्रवार की सुबह सक्तेशगढ स्थित परमहंस आश्रम घुमने के लिए जा रहा था वह जैसे ही चुनार स्थित दुर्गा मंदिर से आगे बढ़ा पीछे से तीव्र गति से आरही डीसीएम वाहन ने टक्कर मार दिया। जोरदार टक्कर से अभिषेक की घटनास्थल पर ही मौत हो गया उसके दोनों साथी गंभीर रूप से घायल हो गये। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर चकगंभीरा चौकी इंचार्ज हरिकेश सिंह दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया और घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चेचरी मोड़ ले गए जहाँ चिकित्सक ने दोनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

तीसरे बैठक में पास हुआ पालिका का बजट, चर्चा का विषय

चुनार। नगर पालिका परिषद के प्रतीक्षित बजट स्वीकृति हेतु सभागार में शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष मंसूर अहमद की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें 15 सभासद मौजूद रहे। सदस्यों ने ध्वनि मत से प्रतीक्षित बजट 35.62 लाख के बजट को स्वीकृत कर दिया। ज्ञात हो कि बजट स्वीकृति हेतु 7 मार्च को हुई बैठक में बजट स्वीकृत न होने के बाद 11 मार्च को दोबारा बैठक हुई जिसमें भी बजट को स्वीकृति नहीं मिल पाया था जिसके बाद शुक्रवार को बोर्ड की बैठक बुलाई गई थी जिसमें अप्रत्याशित रूप से उपस्थित 15 सदस्यों ने बजट को स्वीकृति प्रदान कर दिया। बजट स्वीकृति का गणितीय आंकड़ा दिन भर चर्चा का विषय बना रहा। इस दौरान अधिशासी अधिकारी राजपति बैस, प्रधान लिपिक शैलेश यादव, आरआई अजित कुमार, लेखाकार शमशेर सिंह एवं सभासद गण मौजूद रहे।

सीएए भारत का आंतरिक मामला, अमेरिका का बयान गलत : जायसवाल

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा- हम सीएए के नोटिफिकेशन को लेकर चिंतित हैं

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर अमेरिका के बयान को लेकर भारत का जवाब सामने आया है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा- नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 भारत का आंतरिक मामला है और इस पर अमेरिका का बयान गलत है। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा- जिन लोगों को भारत की परंपराओं और विभाजन के बाद के इतिहास की समझ नहीं है, उन्हें लेक्चर देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। भारत के सहयोगी देशों को इस कानून के पीछे भारत की सोच और इरादों का समर्थन करना चाहिए। दरअसल, इस कानून को लेकर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा- हम 11 मार्च को आए सीएए के नोटिफिकेशन को लेकर चिंतित हैं। इस कानून को कैसे लागू किया जाएगा, इस पर हमारी नजर रहेगी। धार्मिक स्वतंत्रता का आदर करना और कानून के तहत सभी समुदायों के साथ बराबरी से पेश आना लोकतांत्रिक सिद्धांत है।

सीएए नागरिकता देता है, छीनता नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा- सीएए नागरिकता देने के बारे में है, नागरिकता छीनने के बारे में नहीं। यह मानवीय गरिमा और मानवाधिकारों का समर्थन करता है। यह सबको साथ लेकर चलने की भारतीय परंपरा का प्रतीक है। सीएए अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के उन अल्पसंख्यकों को सुरक्षित पनाह देता है, जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आ चुके हैं।

पाक बोला- सीएए कानून भेदभाव वाला

पाक ने सीएए कानून को भेदभावपूर्ण बताया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज बलोच बोली- सीएए कानून का लागू होना हिंदू फांसीवादी देश का भेदभावपूर्ण कदम है। यह कानून आस्था के आधार पर लोगों में भेदभाव पैदा करता है। सीएए इस गलत धारणा पर आधारित है कि मुस्लिम देशों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है।

सीएए को लेकर केंद्र सरकार की तैयारी

सीएए के ऑनलाइन पोर्टल को रजिस्ट्रेशन के लिए तैयार कर लिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका ड्राई रन भी कर लिया है। सूत्रों ने कहा कि सीएए इन पड़ोसी देशों के उन शरणार्थियों की मदद करेगा जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं। मंत्रालय को लंबी अवधि के वीजा के लिए सबसे ज्यादा आवेदन पाकिस्तान से मिले हैं। गृह मंत्री अमित शाह दो महीने में दो बार कह चुके थे कि सीएए लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जाएगा। यह देश का कानून है। इसे कोई रोक नहीं सकता। संसद ने सीएए पर 12 दिसंबर 2019 को मुहर लगाई थी। हालांकि, सरकार इस कानून को लागू करने के लिए नियम-कायदे बनाने की समय सीमा 8 बार बढ़ा चुकी है।

सीएए 2019 के पक्ष में 125 वोट पड़े थे

11 दिसंबर 2019 को राज्यसभा में नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 (सीएबी) के पक्ष में 125 और खिलाफ में 99 वोट पड़े थे। 1 दिसंबर 2019 को इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। देशभर में भारी विरोध के बीच बिल दोनों सदनों से पास होने के बाद यह कानून की शक्ल ले चुका था।

1955 के कानून में बदलाव किया गया

2016 में नागरिकता संशोधन विधेयक 2016 (सीएए) पेश किया गया था। इसमें 1955 के कानून में कुछ बदलाव किया जाना था। ये बदलाव थे, भारत के तीन मुस्लिम पड़ोसी देश बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए गैर मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देना।

सीएए के तीन खास बिंदु

1. किसे मिलेगी नागरिकता: 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इन तीन देशों के लोग ही नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे।
2. भारतीय नागरिकों पर क्या असर: भारतीय नागरिकों से सीएए का कोई सरोकार नहीं है। संविधान के तहत भारतीयों को नागरिकता का अधिकार है। सीएए या कोई कानून इसे नहीं छीन सकता।
3. आवेदन कैसे कर सकेंगे: आवेदन ऑनलाइन करना होगा। आवेदक को बताना होगा कि वे भारत कब आए। पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज न होने पर भी आवेदन कर पाएंगे। इसके तहत भारत में रहने की अवधि 5 साल से अधिक रखी गई है। बाकी विदेशियों (मुस्लिम) के लिए यह अवधि 11 साल से अधिक है।

गाजा पट्टी में बंधकों के परिजनों से मिले नेतन्याहू

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में हमास द्वारा बंधकों के परिवारों से तेल अवीव में मुलाकात की। बंधक परिवार फोरम के प्रवक्ता लियाट बेल सोमर ने कहा, पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पत्नी के साथ बंधकों के 20 परिवारों से मुलाकात की। परिजनों ने पीएम से कहा कि उनके और वॉर कैबिनेट सदस्यों के साथ ये बैठकें उनके लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि बंधकों की रिहाई अब मुश्किल होती जा रही है और पीएम नेतन्याहू को इसके लिए कुछ करना चाहिए। परिवारों ने नेतन्याहू से आग्रह किया कि उन्हें बंधकों की तत्काल रिहाई हेतु डील पर जल्द से जल्द पहुंचना चाहिए।

तुर्की में प्रवासियों को ले जा रही नाव डूबी, 21 लोग मृत

इस्तांबुल। तुर्की के एजियन तट पर शुक्रवार को नाव डूबने से कम से कम 21 अवैध प्रवासियों की मौत हो गई। देश के राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारक ने ये जानकारी दी। सरकारी टीआरटी ब्रॉडकास्टर ने बताया कि यह घटना उत्तर-पश्चिमी प्रांत कनाक्कले में एसेबाट जिले के तट पर हुई जब नाव पलट गई और डूब गई। कनाक्कले के गवर्नर इल्हामी अकटास का हवाला देते हुए टीआरटी ने कहा कि घटनास्थल पर दो हेलीकॉप्टरों और दस तटरक्षक बचाव नौकाओं को खोज और बचाव अभियान में लगाया गया है। चार लोगों को बचा लिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में 2.5 एकड़ जमीन खरीदेगा महाराष्ट्र

मुंबई। महाराष्ट्र केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में 2.5 एकड़ जमीन खरीदने वाला है। ऐसा करने वाला यह पहला राज्य है। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार इस जमीन पर जम्मू-कश्मीर जाने वाले अपने पर्यटकों के लिए गेस्ट हाउस- राज्य भवन बनवाएगी। यह राज्य भवन 8.16 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा। महाराष्ट्र कैबिनेट ने बुधवार (13 मार्च) को जमीन खरीदने की मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार श्रीनगर स्थित मध्य कश्मीर के बड़गाम में महाराष्ट्र भवन बनवाएगी। इसके लिए श्रीनगर एयरपोर्ट के पास इचगाम में 2.5 एकड़ जमीन का एक टुकड़ा तय कर लिया गया है।

सोमालियाई लुटेरों से बचाया बांग्लादेशी जहाज

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर में एक बांग्लादेशी जहाज को सोमालिया के समुद्री लुटेरों से रेस्क्यू कर लिया है। 12 मार्च को मोजाम्बिक से यूएई जा रहे बांग्लादेशी मर्चेंट वेसल अब्दुल्लाह पर 15-20 हथियारबंद लुटेरों ने जहाज पर हमला कर दिया था। जहाज मोगादिशु से करीब 1100 किमी दूर था। इस पर बांग्लादेश के 23 क्रू मेंबर्स सवार थे। हाइजैक की सूचना मिलते ही भारतीय नेवी ने क्रू सदस्यों से संपर्क करने की कोशिश की। इसके बाद कोई जवाब न मिलने पर नौसेना ने अपने पैट्रोलिंग एयरक्राफ्ट को जहाज की निगरानी के लिए भेजा।

आज का इतिहास

- **1690:** फ्रांस के राजा लुईस चौदहवें ने आयरलैंड में सेना भेजी।
- **1846:** अमृतसर डील के मुताबिक कश्मीर का आधिपत्य जम्मू के हिंदू राजा गुलाब सिंह के अधीन किया।
- **1922:** इंग्लैंड से मिस्र को मान्यता
- **1939:** चेकोस्लोवाकिया पर जर्मनी ने कब्जा किया।
- **1942:** वी-2 रॉकेट लांच किया गया, लेकिन उसी दौरान इसमें ब्लास्ट हो गया।
- **1959:** इराक-सोवियत संघ ने आर्थिक एवं तकनीक हुआ करार।
- **1966:** अमेरिका द्वारा मानवयुक्त अंतरिक्ष यान 'जेमिनी 8' लांच।
- **1976:** 8 सालों तक ब्रिटेन के पीएम और 13 वर्षों तक लेबर पार्टी के नेता रहे, हैरल्ड विल्सन ने त्यागपत्र देकर सबको चौंका दिया था।

लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले मोदी का देश के नाम संदेश

प्रधानमंत्री मोदी बोले- हमारे और आपके साथ को एक दशक पूरा...

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों की तारीखों का आज ऐलान हो जाएगा। चुनाव की तारीखों के ऐलान से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक लेटर के जरिए देश के नाम संदेश जारी किया है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा, हमारे और आपके संबंधों को एक दशक पूरा हो गया है। आपका समर्थन हमें लगातार मिलता रहेगा, ऐसा मुझे विश्वास है। राष्ट्र निर्माण के लिए हम लगातार मेहनत करते रहेंगे, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने अपने पत्र की शुरुआत करते हुए कहा, मेरे प्रिय पारिवारिक सदस्य, हमारे और आपका साथ एक दशक पूरा करने की दहलीज पर है।

140 करोड़ भारतीयों का विश्वास और समर्थन मुझे प्रेरित करता है। लोगों के जीवन में जो परिवर्तन आया है, वह पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ये परिवर्तनकारी परिणाम गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक दृढ़ सरकार द्वारा किए गए ईमानदार प्रयासों का परिणाम हैं। उन्होंने आगे लिखा, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्के मकान, सभी के लिए बिजली, पानी और एलपीजी की पहुंच, आयुष्मान भारत के माध्यम से फ्री मेडिकल ट्रीटमेंट, किसानों को वित्तीय सहायता, मातृ वंदना योजना के जरिए महिलाओं को सहायता और कई अन्य प्रयासों की सफलता केवल उस भरोसे के कारण संभव हो पाई है जो आपने मुझ पर रखा है। पत्र में प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हमारा देश परंपरा और आधुनिकता, दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। पिछले दशक में जहां अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व निर्माण हुआ, वहीं हमारी समृद्ध राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत का भी कायाकल्प हुआ है। आज हर नागरिक को इस बात का गर्व है कि देश आगे बढ़ने के साथ-साथ अपनी समृद्ध संस्कृति का भी जश्न मना रहा है। यह आपके विश्वास और समर्थन का ही नतीजा है कि हम जीएसटी लागू करना, अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक पर नया कानून, संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए नारी शक्ति वंदन कानून, संसद भवन का उद्घाटन,आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ मजबूत कदम जैसे कई ऐतिहासिक और बड़े फैसले ले सके। पीएम मोदी ने कहा, लोकतंत्र की सुंदरता जनभागीदारी या सार्वजनिक भागीदारी में निहित है। यह आपका समर्थन ही है जो मुझे देश के कल्याण के लिए साहसिक निर्णय लेने, महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाने और उन्हें सुचारू रूप से लागू करने की अपार शक्ति देता है। जब हम एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं तो मुझे आपके विचारों, सुझावों और समर्थन की आवश्यकता है और वास्तव में मैं आपका इंतजार करूंगा। मुझे विश्वास है कि हम मिलकर अपने देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। आपको उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

कोयंबटूर में रोड शो को हाइकोर्ट से मिली मंजूरी

चेन्नई। प्रधानमंत्री मोदी के कोयंबटूर में 4 किमी लंबे रोड शो को लेकर मद्रास हाईकोर्ट तमिलनाडु पुलिस को कुछ शर्तों के साथ मंजूरी देने का निर्देश दिया है। तमिलनाडु पुलिस ने शुक्रवार सुबह कानून व्यवस्था संबंधी चिंता और परीक्षा के आयोजन का हवाला देकर रैली को अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा पर पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर

आरोप: रेप केस में मदद मांगने गई नाबालिग को कमरे में खींचा, येदि बोले- सब झूठ

● बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा पर पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। पूर्व सीएम के खिलाफ एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मामला 2 फरवरी का बेंगलुरु का है। लोकल पुलिस स्टेशन में एफआईआर की गई है। 17 साल की पीड़ित की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु के सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो और 354 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि कर्नाटक डीआईजी ने मामले को एडीजीपी के तहत सीआईडी को सौंप दिया है।

दो फरवरी को मदद मांगने गई थी पीड़ित लड़की...

एफआईआर के मुताबिक पीड़ित लड़की 2 फरवरी को उसके साथ हुए यौन उत्पीड़न के एक मामले में येदियुरप्पा से मदद मांगने बेंगलुरु में उनके डॉलर्स कॉलोनी स्थित घर गई थी। तभी उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया। जब पीड़िता कमरे से बाहर भागी तो उसने अपनी मां से कथित छेड़छाड़ के बारे में बताया। पीड़ित की मां की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि, मामला सामने आने के बाद येदियुरप्पा के ऑफिस ने कुछ दस्तावेज जारी किए हैं। इनमें बताया गया है कि एफआईआर करने वाली महिला अब तक अलग-अलग लोगों पर 53 केस कर चुकी है।

वैज्ञानिकों ने बनाया यूनिवर्सल एंटीवेनम-95 मार्ट्ज

मुंबई। सांप को दुनिया में सबसे जहरीला जानवर माना जाता है। वहीं अगर किसी इंसान को सांप ने काटा तो उसे सिर्फ एंटीवेनम ही बचा सकता है। हालांकि इसके लिए भी कई बार सांप की पहचान होना जरूरी होती है। अब वैज्ञानिकों ने सांप के जहर के जो यूनिवर्सल एंटीवेनम बनाया है, वो किन-किन सांपों के जहर पर कारगर है।

किसी भी सांप के काटने पर ये दवा करेगी असर

जहरीले सांप से होने वाली मौत रुक सकेगी: वैज्ञानिकों ने जो यूनिवर्सल एंटीवेनम बनाया है, ये सभी सापों के जहर का काट साबित होगा। वैज्ञानिकों ने इस एंटीवेनम को तैयार करने के लिए एक खास प्रयोगशाला का इस्तेमाल किया है।

सांप का जहर : लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक किंग कोबरा, वाइपर, ब्लैक माम्बा जैसे सांपों के लिए तो एंटीवेनम मौजूद हैं। लेकिन अभी भी दुनिया में कई ऐसे सांप हैं, जिनका एंटीवेनम नहीं बना है। ऐसे में वैज्ञानिकों ने एक यूनिवर्सल एंटीवेनम 95 मार्ट्ज तैयार किया है।

अहमदाबाद से यूपी पुलिस भर्ती का पेपर हुआ था लीक

गाजियाबाद। यूपी पुलिस भर्ती पेपर लीक का खुलासा हो गया है। एसटीएफ की जांच में पता चला है कि अहमदाबाद में पेपर छपे। इसके बाद यूपी भेजने के लिए पेपर सील्ड बॉक्स में अहमदाबाद की ट्रांसपोर्ट कंपनी में भेजे गए। यहीं से कर्मचारियों ने पेपर लीक कर दिया। डीजीपी प्रशांत कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी कि इन कर्मचारियों ने सील्ड बॉक्स को तोड़ने के लिए पटना से स्पेशलिस्ट को बुलाया। बॉक्स तोड़ने के बाद पेपर निकालकर फोटो खींचे और नकल माफिया को भेज दिया। फिलहाल, यूपी एसटीएफ ने ट्रांसपोर्ट कंपनी के दो कर्मचारियों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा पटना के डॉक्टर को हिरासत में लिया है। दरअसल, यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा 17-18 फरवरी को हुई थी। इसमें करीब 40 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

सील्ड बॉक्स तोड़ने पटना से स्पेशलिस्ट डॉक्टर को बुलाया

रूस का राष्ट्रपति चुनाव, प्रतिद्वंद्वी भी कर रहे हैं पुतिन के समर्थन की बात

मास्को। रूस के राष्ट्रपति चुनाव के लिए शुक्रवार से मतदान शुरू हो गया है, जो कि तीन दिन तक जारी रहेगी। हालांकि इसमें कोई शक नहीं कि मजबूत प्रत्याशियों के बिना हो रहे इन चुनावों में पांचवीं बार भी व्लादिमीर पुतिन के ही जीतने की संभावना है।

शुक्रवार को रूस के सुदूर पूर्वी इलाके कामचात्का पेनिनसुला में मतदान केंद्र स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे खुला और रविवार को सुदूर पश्चिमी शहर कालिनिनग्राद में शाम 8 बजे मतदान समाप्त होगा। रूस ने मतदान के लिए 90,000 से अधिक मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। सुदूर पूर्व क्षेत्र में स्थित कामचटका और चुकोटका, मतदान शुरू करने वाले पहले क्षेत्र हैं। रूस के पश्चिमी छोर पर स्थित कलिनिनग्राद में मतदान केंद्र मतदान शुरू करने वाले अंतिम केंद्र होंगे।

नीतीश कैबिनेट का विस्तार 21 मंत्रियों ने शपथ ली

बीजेपी से 12, जेडीयू से 9 मंत्री

पटना। बिहार में नीतीश सरकार का कैबिनेट विस्तार हो गया। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर 21 मंत्रियों को शपथ दिलाई। बीजेपी के 12 और जेडीयू कोटे से 9 मंत्री बने। बीजेपी ने अपने कोटे ने 6 नए मंत्री बनाए हैं, जबकि जेडीयू से सभी पुराने चेहरे शामिल किए गए हैं। केवल संजय झा (राज्यसभा गए) की जगह महेश्वर हजारी को मंत्री बनाया गया है। अब सरकार में सीएम समेत कुल 30 मंत्री हो गए हैं।

इनमें से बीजेपी 15, जेडीयू के 13, हम पार्टी और निर्दलीय कोटे से एक-एक मंत्री बनाए गए हैं। यह 2020 में जब एनडीए सरकार बनी थी, तब भी यही फॉर्मूला था। इस बार सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मंत्रिमंडल विस्तार में 14 फीसदी से ज्यादा संख्या वाले यादव जाति से एक भी मंत्री नहीं बनाया गया है। वहीं सिर्फ एक मुस्लिम को जगह मिली है। अगर पूरी कैबिनेट को देखे तो सिर्फ जदयू की तरफ से पहले विस्तार में बिजेंद्र यादव मंत्री बने थे।

सरकार ने नई ईवी पॉलिसी को दी मंजूरी, टेस्ला की एंट्री आसान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत को इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने के लिए अपनी नई ईवी पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। इस नई पॉलिसी में कंपनियों को कम से कम 4150 करोड़ निवेश करना होगा और अधिकतम निवेश पर कोई सीमा नहीं है।

पॉलिसी के अनुसार, कंपनियों को तीन साल के अंदर भारत में अपनी मैन्युफैक्चरिंग और ईवी का कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू करना होगा। इस संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमओसीआई) की ओर से शुक्रवार 15 मार्च को नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। नई पॉलिसी से लंबे समय से भारत में आने का रास्ता तलाश रही अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला के लिए भारत में एंट्री आसान हो गई है। भारत में आकर इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने की इच्छा रखने वाली ऑटो कंपनियों के लिए सरकार ने नई ईवी पॉलिसी में कुछ नियम और शर्तें तय की हैं और कुछ शर्तों में रियायत भी दी है। नोटिफिकेशन के मुताबिक, ऑटो कंपनियों को भारत में कम से कम 4,150 करोड़ रुपए निवेश करना होगा, मैक्सिमम इन्वेस्टमेंट की कोई लिमिट नहीं रखी गई है। ऑटो कंपनियों को 3 साल के भीतर प्लांट लगाकर इलेक्ट्रिक गाड़ियों का प्रोडक्शन शुरू करना होगा।

फिलिस्तीनियों पर इजराइली स्ट्राइक, 29 मरे

गाजा। गाजा के अल-नुसीरत कैंप के पास बने एड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर (सहायता वितरण केंद्र) पर इजराइल ने एयरस्ट्राइक कर दी। इस दौरान 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, नॉर्थ गाजा के एक एड पॉइंट पर खाना लेने पहुंचे फिलिस्तीनियों पर इजराइली सैनिकों ने गोली चला दी। इस दौरान 21 लोग मारे गए। दोनों हमलों में कुल 29 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इधर, 19 नवंबर को हूती विद्रोहियों ने कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाईजैक किया था। इसके 25 क्रू मेंबर्स को बंधक बनाया था। अब हूतियों का कहना है कि इन बंधकों की जिंदगी हमास के हाथ में है। इजराइल-हमास जंग के बीच फिलिस्तीनियों के समर्थन में हूती विद्रोही लगातार लाल सागर और अरब सागर में जहाजों पर हमला कर रहे हैं।

Filmi तड़का

मर्डर मुबारक में ग्लैमरस अवतार में नजर आएंगी सारा अली खान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री फिल्म 'मर्डर मुबारक' में ग्लैमरस अवतार में नजर आयेंगी। फिल्म मर्डर मुबारक में सारा अली खान, डिंपल कपाड़िया, करिश्मा कपूर, संजय कपूर, टिस्का चोपड़ा, सुहेल नायर और पंकज त्रिपाठी जैसे सितारे काम करते नजर आएंगे। फिल्म 'मर्डर मुबारक' में सारा अली खान शहरी, ग्लैमरस गर्ल के किरदार में नजर आने वाली हैं। मर्डर मुबारक में सारा अली खान का किरदार उनके द्वारा किए गए सभी किरदारों से बेहद अलग है, जिसमें उन्होंने एक ग्लैमरस परसोना वाली लड़की की भूमिका निभाई है। सारा अली खान ने कहा,मुझे एक शहरी और ग्लैमरस गर्ल का किरदार निभाए लंबा समय हो गया है। यह कुछ ऐसा नहीं है जिसके साथ मैं खुद जुड़ती हूं।

अभिनेता सोनू सूद की फिल्म फतेह का फर्स्ट लुक हुआ रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की आने वाली फिल्म 'फतेह' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। सोनू सूद ने अपनी आने वाली फिल्म 'फतेह' का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है। फिल्म फतेह में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म फतेह सोनू सूद के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है।

फिल्म फतेह के पोस्टर में सोनू सूद के हाथ में एक स्याही वाला पेन है जिस पर खून लगा हुआ है। पोस्टर शेयर करते हुए सोनू सूद ने लिखा, कभी किसी को कम मत समझो, फतेह के साथ पावर पैक्ड एक्शन के लिए तैयार हो जाइए, टीजर शनिवार को रिलीज होगा। शक्ति सागर प्रोडक्शंस और जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म फतेह साइबर अपराध की जटिलताओं और चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज खत्म करेंगे राहुल गांधी

66 दिन, 15 राज्य, 357 सीटों से होकर गुजरी यात्रा

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शनिवार को खत्म कर रहे हैं। ये जानकारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दी है। जयराम रमेश ने मीडिया से कहा कि साढ़े पांच बजे राहुल गांधी डॉ. आंबेडकर स्मारक चैत्य भूमि में होंगे। वहां भारत जोड़ो न्याय यात्रा की समाप्ति होगी। इस अवसर पर विपक्ष के कई सहयोगी मौजूद होंगे। तमिलनाडु के सीएम स्टालिन, राकांपा प्रमुख शरद पवार, राजद प्रमुख लालू यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव व अन्स इंडिया समूह के सदस्य होंगे।

चुनावी बांड के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी चला रहे हैं दुनिया का सबसे बड़ा वसूली रैकेट: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी बॉन्ड को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर चुनावी बॉन्ड का जो डाटा सार्वजनिक किया गया है उससे साफ हो गया है कि श्री मोदी चुनावी बॉन्ड के नाम पर दुनिया का सबसे बड़ा रैकेट चला रहे हैं। श्री गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'नरेंद्र मोदी चुनावी बॉंड के नाम पर दुनिया का सबसे बड़ा वसूली रैकेट चला रहे थे। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनावी बांड योजना को जबरदस्ती पैसा लूटने तथा लोकतंत्र को ध्वस्त करने वाली नीति करार दिया।

31 साल की हुई आलिया

करीना, नीतू, सोनी, रश्मिका ने बरसाया प्यार

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस आलिया भट्ट शुक्रवार को अपना 31वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर नीतू सिंह, करीना कपूर खान, सोनी राजदान, शाहीन भट्ट सहित अन्य लोगों ने उन पर जमकर प्यार बरसाया। फिल्म निर्माता महेश भट्ट और अभिनेत्री सोनी राजदान की बेटी आलिया ने करण जौहर की 2012 की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेत्री ने अप्रैल 2022 में अभिनेता रणबीर कपूर से शादी की। दंपति की एक बेटी राहा है। अपनी बहू के जन्मदिन के अवसर पर सास नीतू ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक्ट्रेस की एक मुस्कुराती हुई तस्वीर शेयर की। पोस्ट को कैप्शन दिया गया है, जन्मदिन मुबारक हो हमारी सनशाइन, आपको ढेर सारा प्यार। रणबीर की चचेरी बहन करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी भाभी आलिया के साथ एक अनदेखी तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों को एक कार्यक्रम के लिए तैयार होते हुए देखा जा सकता है। करीना ने इसे कैप्शन दिया, सभी के दिलों की रानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं, आप सितारों से भी आगे चमकें, माय डार्लिंग, लव यू। आलिया ने करीना की पोस्ट शेयर करते हुए कहा, लव यू बेबो।

होली स्पेशल गाना 'राम पहुना संग होली' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह और अभिनेता यश कुमार का होली स्पेशल गाना 'राम पहुना संग होली' रिलीज हो गया है। गाने में यश कुमार और अक्षरा सिंह ने खुद को जानकी धाम वासी बताया है और इस नाते उन्होंने भगवान राम को पहुना बताते हुए होली में अयोध्या धाम जाने की बात कही है। अक्षरा सिंह ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या धाम में पहली होली है और इसमें कौन जाना नहीं चाहेगा। उन्होंने कहा कि हमने भी इस इच्छा को अपने गीत में संजोकर दर्शकों के सामने रखा है।

उपवास से

हृदय और स्वास्थ्य से जुड़े कई लाभ हो सकते हैं

बर्मिंघम (द कन्वरसेशन)। जब स्वास्थ्य और कल्याण की बात आती है, तो ऐसा लगता है कि भोजन करते हुए संयम बरतना इसका महत्वपूर्ण घटक है। आप जहां भी देखें, ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक से लेकर थॉर स्टार क्रिस हेम्सवर्थ जैसी हॉलीवुड हस्तियों तक, हर कोई मन और शरीर के लिए उपवास के गुणों की प्रशंसा करता नजर आता है। रिपोर्टों के अनुसार, सुनक प्रत्येक सप्ताह के पहले 36 घंटों के उपवास को 'एक महत्वपूर्ण अनुशासन' मानते है, जबकि हेम्सवर्थ ने अपनी 2023 टीवी श्रृंखला, लिमिटलेस के लिए चार दिनों के चरम उपवास के माध्यम से 'अपने शरीर की बुढ़ापे-विरोधी शक्तियों को जागृत करने' का प्रयास किया। आंतरायिक उपवास भी वजन प्रबंधन का एक लोकप्रिय रूप बन गया है। कुछ योजनाएं, जैसे कि फिल्म स्टार क्रिस प्रैट द्वारा लोकप्रिय डैनियल फास्ट, आध्यात्मिक और साथ ही शारीरिक लाभ प्रदान करने के लिए धार्मिक हस्तियों के आहार व्यवहार का पालन करने का दावा करती हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में आंतरायिक उपवास के व्यापक कवरेज के बावजूद, धार्मिक उपवासों पर समान स्तर का ध्यान नहीं दिया गया है। क्या किसी धार्मिक उपवास का पालन करने से स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए उपवास करने के समान या उससे भी अधिक स्वास्थ्य लाभ होते है?

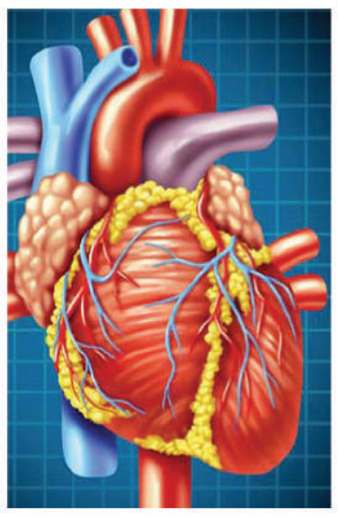

उपवास के स्वास्थ्य लाभ

हालाँकि, धार्मिक उपवासों की प्रकृति भिन्न-भिन्न होती है। रमज़ान के दौरान, उपवास समय-प्रतिबंधित भोजन का एक रूप है - अनुयायियों को सुबह और शाम के बीच सभी भोजन और पेय से बचना चाहिए। जबकि, रूढ़िवादी ईसाई उपवास प्रथाएं पूर्ण उपवास के बजाय आहार से सभी पशु उत्पादों और वसा के स्रोतों को बाहर करने पर ध्यान केंद्रित करती है।एक विशेषज्ञ ने विभिन्न धार्मिक और आस्था-आधारित उपवासों के संभावित स्वास्थ्य प्रभावों का पता लगाया। केवल मुस्लिम और रूढ़िवादी ईसाई समुदायों से प्रकाशित आंकड़ों की एक व्यवस्थित समीक्षा करके, हालिया विश्लेषण से पता चला है कि दोनों उपवास दृष्टिकोण हृदय संबंधी जोखिम में कमी के साथ जुड़े हुए है - हालांकि अलग-अलग कारणों से। रमज़ान के दौरान उपवास करने से रक्तचाप और शरीर के वजन में उल्लेखनीय कमी देखी गई, जबकि रूढ़िवादी ईसाइयों के बीच लेंट के दौरान उपवास करने से कोलेस्ट्रॉल में कमी के साथ महत्वपूर्ण संबंध दिखा। रमज़ान के रोज़े रखने वालों में निम्न रक्तचाप दिन के दौरान न खाने या पीने का प्रभाव हो सकता है, जिससे इंसुलिन का स्तर कम हो सकता है जो सहानुभूति तंत्रिका तंत्र पर काम कर सकता है और साथ ही रक्त की मात्रा भी कम कर सकता है।

वनस्पति-आधारित उपवास का पालन करने वाले रूढ़िवादी ईसाई अपने सामान्य आहार की तुलना में वसा का सेवन अमूमन कम कर देते है और फाइबर बढ़ा देते है, जो कम कोलेस्ट्रॉल के साथ उनके लेंट उपवास के संबंध को समझा सकता है। शायद यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उपवास ऊर्जा सेवन को सीमित करते है, रमज़ान और लेंट दोनों के लिए उपवास भी वजन घटाने से जुड़े थे। हालाँकि, व्रत टूटने पर कम स्वस्थ भोजन और पेय के अधिक सेवन से इनमें से कुछ लाभ समाप्त हो सकते है। उपवास के लाभों को बनाए रखने के लिए, अनुयायियों को उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थ खाने से बचना चाहिए। स्वास्थ्य देखभाल और धार्मिक प्रथाओं को संरेखित करना

समीक्षा से पता चलता है कि स्वास्थ्य पेशेवर लोगों को स्वस्थ जीवन शैली का समर्थन करने के लिए उपवास प्रथाओं सहित उनके विश्वास के पहलुओं का उपयोग करने में सहायता कर सकते है। इसमें रमज़ान से पहले इमामों और मस्जिद समुदायों जैसे आस्था से जुड़े नेताओं के साथ काम करना शामिल हो सकता है, ताकि रोज़ा तोड़ने के लिए स्वस्थ इफ्तार भोजन का पता लगाया जा सके। आध्यात्मिक विकास और पहचान के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए, धार्मिक अभ्यास के हिस्से के रूप में आत्म-देखभाल को बढ़ावा देने के लिए आस्था के पहलुओं का उपयोग करना भी संभव हो सकता है। उदाहरण के लिए, धार्मिक नेता स्वास्थ्य और सामाजिक संपर्क को बढ़ावा देने के लिए उपवास अवधि के बाहर स्वस्थ सामुदायिक भोजन को प्रोत्साहित कर सकते है। शोध ने सुझाव दिया है कि आस्थावान लोग वजन प्रबंधन सहित कई प्रकार के उपायों से अधिक सकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों का आनंद लेते है।

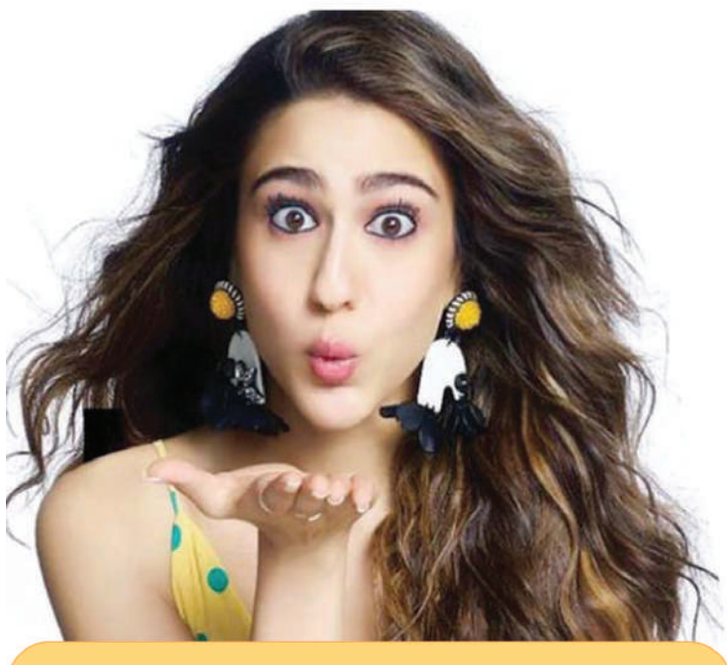

मर्डर मुबारक में ग्लैमरस अवतार में नजर आयेंगी

सारा अली खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री फिल्म 'मर्डर मुबारक' में ग्लैमरस अवतार में नजर आएंगी। फिल्म मर्डर मुबारक में सारा अली खान, डिंपल कपाड़िया, करिश्मा कपूर, संजय कपूर, टिस्का चोपड़ा, सुहेल नायर और पंकज त्रिपाठी जैसे सितारे काम करते नजर आएंगे। फिल्म 'मर्डर मुबारक' में सारा अली खान शहरी, ग्लैमरस गर्ल के किरदार में नजर आने वाली है। मर्डर मुबारक में सारा अली खान का किरदार उनके द्वारा किए गए सभी किरदारों से बेहद अलग है, जिसमें उन्होंने एक ग्लैमरस परसोना वाली लड़की की भूमिका निभाई है।

नेहा धूपिया को पसंद नहीं अनकंफर्टेबल कपड़े

मुंबई (आईएएनएस)। लैक्मे फैशन वीक का हिस्सा रही एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने बताया कि ब्यूटी और फैशन उनके जीवन के बहुत करीब है। साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे लिए ड्रेसिंग में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अनकंफर्टेबल न हो। लैक्मे फैशन वीक में चोला लेबल के लिए शोस्टॉपर बनीं नेहा ने बताया, यह सच है कि ब्यूटी और फैशन मेरे जीवन के बहुत करीब है। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि जो कुछ भी आपको आरामदायक और आत्मविश्वास महसूस कराता है, वही फैशन है। पूर्व ब्यूटी क्वीन के लिए, यह आत्मविश्वास ही है जो हमेशा से फैशनेबल रहा है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, फैशन एक ऐसी चीज है जो आती है और चली जाती है, लेकिन स्टाइल एक ऐसी चीज है जो हमेशा रहता है और मेरे लिए जो चीज कभी स्टाइल से बाहर नहीं जाती, वह यह है कि जब भी आप कुछ पहनें, उसमें आपका आत्मविश्वास झलके। नेहा ने आगे कहा, मैं हमेशा इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं जो भी पहनती हूं उसमें मुझे असहज या असुविधाजनक फील न हो, यह ड्रेसिंग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। नेहा टिकाऊ फैशन और इंडी ब्रांड को बढ़ावा देने में दृढता से विश्वास करती हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने हमेशा टिकाऊ फैशन और इंडी ब्रांडों का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि टिकाऊपन घर से शुरू होता है।

शूर्पनखा का किरदार निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण : संगीता ओडवानी

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री संगीता ओडवानी कहना है कि सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'श्रीमद रामायण' में शूर्पणखा का किरदार निभाना उनके लिये बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। संगीता ओडवानी ने कहा,शूर्पणखा का किरदार निभाने के लिए एक गहरे नजरिए की जरूरत होती है जो उसकी सोच में गहराई से उतरता है। यह उसकी दुर्जेय उपस्थिति को गले लगाने के साथ-साथ उसके भयंकर बाहरी स्वरूप के नीचे छिपे दर्द और लालसा को भी उजागर करने के बारे में है। एक कलाकार के रूप में, यह खोज का एक सफर है, जो इस मुश्किल किरदार की परतों को हटाकर उसके भीतर की इन्सानियत को प्रकट करती है।

अभिनेता अजीत फिल्म 'गुड बैड अगली' में नजर आएंगे

मुंबई (भाषा)। तमिल फिल्मों के जाने-माने अभिनेता अजीत जल्द ही फीचर फिल्म 'गुड बैड अगली' में नजर आएंगे। तमिल के 52 वर्षीय अभिनेता अजीत के प्रबंधक सुरेश चंद्रा ने फिल्म के आधिकारिक पोस्टर के साथ सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी साझा की है। चंद्रा ने पोस्ट में कहा, 'हम पूरी विन्रमता के साथ अभिनेता अजीत की अगली फिल्म 'गुड बैड अगली' का एलान करते है।' एक अभिनेता के रूप में यह अजित की 63वीं फिल्म है। इसका निर्देशन 'मार्क एंटनी' फेम के अधिक रविचंद्रन कर रहे है। यह फिल्म साल 2025 में पोंगल के त्यौहार के आसपास रिलीज होगी।

वर्ल्ड स्लीप डे पर सामने आया तथ्य

भारत में अनिद्रा

से जूझ रहे लोगों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने शुक्रवार को वर्ल्ड स्लीप डे के मौके पर भारत में लोगों में बढ़ती अनिद्रा की समस्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अनिद्रा की बढ़ती समस्या की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों में दिल और दिमाग से जुड़ी कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिल रही हैं। बता दें कि 'वर्ल्ड स्लीप डे' प्रतिवर्ष 15 मार्च को मनाया जाता है, ताकि लोगों के बीच अनिद्रा की समस्या को लेकर जागरूकता पैदा की जा सके और इसके साथ ही उन्हें अपने स्वास्थ्य के बारे में भी सचेत किया जा सके। इस वर्ष वर्ल्ड स्लीप डे का विषय 'वैश्विक स्वास्थ्य के लिए स्लीप इक्विटी' है।

सात घंटे सोना हर व्यक्ति के लिए आवश्क है। अगर आप सात घंटे नहीं सोएंगे, तो इससे आपके स्वास्थ्य पर हानिकारक असर पड़ेगा। यह आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से प्रभावित कर सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, विश्व स्तर पर भारत में लोगों के बीच अनिद्रा की समस्या तेजी से बढ़ रही है। लोकल सर्किल्स नामक प्लेटफॉर्म पर वर्ल्ड स्लीप डे के मौके पर अनिद्रा की समस्या को लेकर सर्वे किया गया, जिसमें यह बात सामने आई कि भारत में लोगों में अनिद्रा की समस्या तेजी से बढ़ रही है। यही नहीं, सर्वे में यह भी सामने आया है कि 61 फीसद लोग 6 घंटे से कम की नींद लेते हैं। सर्वे में सामने आया है कि पिछले दो सालों में भारतीयों के बीच नींद नहीं आने की समस्या व्यापक स्तर पर बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में यह 50 फीसद था, जो कि अब बढकर 55 फीसद हो गया है। अपोलो स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉ. प्रबाश प्रभाकरन (न्यूरोलॉजी) ने बताया, भारत में तेजी से लोगों के बीच अनिद्रा की समस्या बढ़ रही है। इसके पीछे की वजह उनकी जीवन शैली और उनका दबाव है। विश्व स्तर पर नींद की कमी का पुनर्मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है। साथ ही गैर-संचारी रोगों को रोकने और मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में इसकी भूमिका को पहचानना भी महत्वपूर्ण है। मारेंगो एशिया हॉस्पिटल, फ़रीदाबाद के कार्डियोलॉजी निदेशक डॉ. गजिंदर कुमार गोयल ने बताया, अनिद्रा से लोगों में दिल की समस्या बढ़ सकती है। बल्ड प्रेशर की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है। डॉ. गजिंदर ने कहा, आम तौर पर रात के दौरान रक्तचाप 10 से 20 प्रतिशत कम हो जाता है। लेकिन, नींद की कमी के साथ ऐसा नहीं होता है, जिससे रात में उच्च रक्तचाप होता है, जो सीधे हृदय संबंधी घटनाओं से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि नींद से वंचित व्यक्तियों में मधुमेह, हाई कोलेस्ट्रॉल और दोषपूर्ण आहार संबंधी आदतें विकसित होने की संभावना अधिक होती है। डॉक्टर ने कहा, इसलिए हमारे दिल को स्वस्थ रखने के लिए कम से कम 7 घंटे की पर्याप्त और अच्छी नींद जरूरी है। डॉ. लैंसलॉट पिंटो, सलाहकार पल्मोनोलॉजिस्ट और महामारी विशेषज्ञ, पी.डी. हिंदुजा अस्पताल और एमआरसी, माहिम ने बताया, खराब नींद और डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के प्रभाव पैदा हो सकते हैं। हम नींद को नजरअंदाज नहीं कर सकते, जो एक औसत व्यक्ति के जीवनकाल का एक तिहाई हिस्सा लेती है। पुणे के डीपीयू सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में सलाहकार न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सतीश निरहाले ने कहा, इसके अलावा, नींद की कमी प्रारंभिक मनोभ्रंश से भी जुड़ी है, जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्मृति, एकाग्रता, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं दोनों को प्रभावित करती है। उन्होंने बताया, इससे अनियमित मूड स्विंग और चिंता जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ सकती हैं और संभावित रूप से अवसाद हो सकता है।

भारत में लोगों में अनिद्रा की समस्या तेजी से बढ़ रही है। सर्वे में यह भी सामने आया है कि 61 फीसद लोग 6 घंटे से कम की नींद लेते हैं। पिछले दो सालों में भारतीयों के बीच नींद नहीं आने की समस्या व्यापक स्तर पर बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में यह 50 फीसद था, जो कि अब बढकर 55 फीसद हो गया है।

व्हाइट बॉल क्रिकेट यानी वनडे और टी20 फॉर्मेट में स्टॉप क्लॉक रूल होगा परमानेंट

● नई दिल्ली

लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट यानी वनडे और टी-20 फॉर्मेट में स्टॉप क्लॉक रूल परमानेंट होने जा रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने फैसला लिया कि दोनों फॉर्मेट में टाइम मैनेज करने के लिए इस रूल को अप्लाय किया जाएगा। स्टॉप क्लॉक रूल में बॉलिंग टीम को पारी का अगला ओवर शुरू करने के लिए 60 सेंकेड का टाइम मिलेगा। ऐसा नहीं करने पर टीम पर पेनल्टी लग जाएगी।

आईसीसी के टी-20 वर्ल्डकप के साथ यह रूल यूनिवर्सल हो जाएगा। यानी सभी तरह के व्हाइट बॉल क्रिकेट में इसे अप्लाय किया जाएगा। फील्ड अंपायर 60 सेकेंड में ओवर शुरू करने के लिए 2 बार वॉर्निंग देगा। तीसरी बार गलती करने के बाद बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लग जाएगी। फिर पारी में हर तीसरी गलती पर बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगती जाएगी। यानी एक वनडे पारी में अगर किसी टीम ने 9 बार ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से ज्यादा का समय लिया तो बैटिंग टीम के खाते में 15 रन जुड़ जाएंगे। ओवर खत्म होने पर मैदान में लगी टीवी स्क्रीन पर 60 सेकेंड का काउंटडाउन शुरू हो जाएगा। थर्ड अंपायर कंट्रोल रूम से इसे शुरू करेगा। 60 सेकेंड का टाइम पार होने पर फील्ड अंपायर फील्डिंग टीम के कप्तान को वॉर्निंग देगा और हर वॉर्निंग का ध्यान भी रखेगा। यह बिलकुल उस तरह होगा, जैसे इन दिन डीआरएस लेने के लिए दोनों ही टीमों को 15 सेकेंड का टाइम मिलता है। अपील होने के बाद थर्ड अंपायर स्टॉप क्लॉक शुरू कर देता है, जो मैदान की स्क्रीन पर नजर आती है। इसी को देखकर खिलाड़ी रिव्यू लेने के बारे में फैसला करते हैं।

अगला ओवर शुरू करने के लिए मिलेंगे 60 सेकेंड, गलती पर 5 रन की पेनल्टी

आगामी आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप क्रिकेट टूर्नामेंट से परमानेंट होगा रूल

आईसीसी ने फैसला किया है कि जून में होने वाले टी-20 वर्ल्डकप के साथ स्टॉप क्लॉक रूल परमानेंट हो जाएगा। अगर बैटर या डीआरएस के कारण ओवर शुरू करने में देरी हुई तो अंपायर के पास स्टॉप क्लॉक को रोकने का अधिकार भी होगा, ताकि फील्डिंग टीम पर बगैर गलती के पेनल्टी न लगे।

आईसीसी ने दिसंबर में शुरू किया था टी-20 फॉर्मेट में ट्रायल

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दिसंबर 2023 में स्टॉप क्लॉक रूल का ट्रायल शुरू किया था। तब इसे टी-20 फॉर्मेट में ही अप्लाय किया गया। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने इस रूल के साथ पहला मैच खेला। इस साल के अप्रैल तक रूल का ट्रायल होना था, लेकिन अच्छे नतीजों को देखते हुए आईसीसी ने मार्च से ही इसे परमानेंट करने का फैसला कर लिया। आईसीसी के बोर्ड मेंबर्स इस वक्त दुबई स्थित हेडक्वार्टर में मीटिंग कर रहे हैं। इसी मीटिंग में स्टॉप क्लॉक रूल को परमानेंट बनाने का फैसला किया गया। यह सिर्फ टी-20 ही नहीं, आईसीसी के वनडे फॉर्मेट में भी लागू होगा। दोनों ही फॉर्मेट में टाइम मैनेज करने के लिए इसे लाया गया। टेस्ट क्रिकेट में ओवर रेट पूरा नहीं करने पर टीमों के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पॉइंट्स काट लिए जाते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू पर चर्चा नहीं

रिपोर्ट अनुसार, आईसीसी की मीटिंग में 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू पर डिस्कशन नहीं होगा। टी-20 वर्ल्डकप खत्म होते ही चैंपियंस ट्रॉफी का मुद्दा गरमाने लग जाएगा, क्योंकि टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है और 2 बार की चैंपियन टीम इंडिया ने पॉलिटिकल कारणों के चलते यहां जाने से मना कर दिया है। भारत के मना करने के बाद ही पिछले एशिया कप को पाकिस्तानी की मेजबानी में श्रीलंका में कराना पड़ा था। भारत ने फाइनल समेत अपने सभी मैच श्रीलंका में ही खेले थे। टीम इंडिया ने टूर्नामेंट जीता भी था, जबकि मेजबान पाकिस्तान फाइनल में भी नहीं पहुंच सका था।

यूएई में हो सकते हैं भारत के चैंपियंस ट्रॉफी मैच

टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने पर संशय

● दुबई

पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के मुकाबले यूएई में कराए जा सकते हैं। दुबई, अबु धाबी और शारजाह इन मुकाबलों की मेजबानी कर सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल अगले साल फरवरी से मार्च के बीच होने जा रहे इस टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड मॉडल' पर करा सकता है। आईसीसी के कार्यकारी बोर्ड के एक सूत्र ने कहा- यदि भारत सरकार टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजना नहीं चाहती तो आईसीसी वहां के बोर्ड पर इसका दबाव नहीं बना सकती है। उसे विकल्प तलाशना

होगा। दुबई में बोर्ड मेंबर्स की मीटिंग चल रही है। पिछले साल भी एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। तब भी यह टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' पर हुआ था। तब भारत के मुकाबले श्रीलंका में कराए गए थे। कोलंबो में हुए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर चैंपियनशिप जीती थी।

शाह से आश्वासन लेने की कोशिश करेगा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

चैंपियंस ट्रॉफी पर बातचीत आईसीसी के एजेंडे में नहीं है, लेकिन पीसीबी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि वे बीसीसीआई सचिव जय शाह और आईसीसी के शीर्ष अधिकारियों से बैठक से इतर बात करके आश्वासन लेने की कोशिश करेंगे।

टीम इंडिया को वहां ज्यादा खतरा

पाकिस्तान जाने के सवाल पर बीसीसीआई के पूर्व पदाधिकारी ने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड की तुलना में भारतीय क्रिकेट टीम को खतरे की संभावना अधिक है। दरअसल, भारत और पाकिस्तान के रिश्ते अभी ठीक नहीं है। पाकिस्तान में बैठे आतंकियों का निशाना भारत पर ही रहता है। ऐसे में भारत के खिलाड़ियों को पाकिस्तान में आतंकियों से खतरा हो सकता है। पाकिस्तान में श्रीलंका क्रिकेट टीम पर आतंकी हमला हो चुका है।

▶ डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस को 5 रन से हराया

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहली बार WPL के फाइनल में

एलिस पेरी की फिफ्टी, फाइनल में 17 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स से होगा सामना

● नई दिल्ली /

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विमेंस प्रीमियर लीग के सीजन-2 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली टीम ने पिछले साल की चैंपियन मुंबई इंडियंस को 5 रन से हराया।

बेंगलुरु की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। जहां बेंगलुरु का सामना 17 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स से होगा। नई दिल्ली के अरुण जेटली

स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 130 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बेंगलुरु की टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 20 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ओपनर स्मृति मंधाना और सोफी डिवाइन 10-10 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। ऐसे में एलिस पेरी ने 66 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। ऋचा घोष ने 14 रन बनाए। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं। मुंबई की ओर से हेली मैथ्यू, नेटली सीवर-ब्रंट और साइका इशाक ने 2-2 विकेट लिए।

136 रन का टारगेट चेज करने उतरी मुंबई इंडियंस का टॉप ऑर्डर फ्लॉप रहा। टीम ने 27 रन पर पहला विकेट गंवाया। यास्तिका भाटिया 19 और हेली मैथ्यूज 15 रन बनाकर आउट हुईं। मिडिल ऑर्डर में नेटली सीवर-ब्रंट ने 23, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 और अमेलिया केर ने नाबाद 27 रन बनाए। ये तीनों बड़ी पारी नहीं खेल सकीं।

आईपीएल में श्रेयस अय्यर करेंगे केकेआर की कप्तानी

● मुंबई /

श्रेयस अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान होंगे और पिछले सीजन में टीम को लीड करने वाले नीतीश राणा वाइस कैप्टन होंगे। केकेआर के सीईओ वैंकी मैसूर ने अय्यर की वापसी का ऐलान किया है। उन्होंने नीतीश को उपकप्तान बनाया। श्रेयस अय्यर ने कहा- पिछले सीजन में हमारे सामने कई चुनौतियां आई हैं, जिसमें चोट के कारण मेरी गैरमौजूदगी भी शामिल थी। नीतीश ने न केवल मेरी जगह लेने के लिए अपने सराहनीय नेतृत्व से शानदार काम किया है। नीतीश को वाइस कैप्टन बनाए जाने से टीम की लीडरशिप मजबूत होगी। अय्यर मुंबई की ओर से रणजी फाइनल के 5वें दिन विदर्भ की दूसरी पारी में फील्डिंग के लिए नहीं उतरे थे। इसके बाद आशंका जता रही थी कि वे आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर हो सकते हैं। टीम से जुड़े सूत्र ने बताया था कि श्रेयस अय्यर पूरी तरह फिट हैं और पहले मैच से कप्तानी करेंगे। वे रणजी फाइनल के आखिरी दिन ऐहतियात के तौर पर फील्डिंग के लिए नहीं उतरे थे। वे जल्द ही टीम के साथ जुड़ेंगे।

फ्रेंचाइजी के सीईओ ने किया ऐलान, राणा होंगे वाइस कैप्टन

अय्यर ने फाइनल में खेली थी 95 रन की पारी

श्रेयस अय्यर ने रणजी फाइनल में विदर्भ के खिलाफ दूसरी पारी में 111 गेंदों पर 95 रन की पारी खेली थी। हालांकि वे पहली पारी में केवल 7 रन ही बना पाए थे।

पिछले सीजन में आईपीएल से हो गए थे बाहर

श्रेयस अय्यर पिछले साल आईपीएल के पूरे सीजन से बाहर हो गए थे। दरअसल, पिछले साल के शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में वह चोटिल हो गए थे। इसी कारण केकेआर ने नितीश राणा को कप्तान बनाया था। वे पिछले साल 7 जून को इंग्लैंड में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए भी उपलब्ध नहीं थे।

दूसरा वनडे: निसंका के शतक से श्रीलंका ने बांग्लादेश को तीन विकेट से हराया

चटगांव । पथुम निसंका 114 रनों की शतकीय और चरिथ असलंका की 91 रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश को तीन विकेट से हरा दिया है। 287 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में अविष्का फर्नांडो (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान कुसल मेंडिस 13 रन और सदीरा समराविक्रमा एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऐसे कठिन समय में पथुम निसंका और चरिथ असलंका ने श्रीलंका की पारी को संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 185 रनों की साझेदारी हुई। यह श्रीलंका की ओर अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। पथुम निसंका ने 113 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्कों की मदद से 114 रन बनाए। चरिथ असलंका हालांकि अपना शतक बनाने से चूक गए। उन्होंने 93 गेंदों में छह चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। जनित लियानगे नौ रन और वानिंदु हसरंगा 25 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका ने 47.1 ओवर में सात विकेट पर 287 रन बनाकर तीन विकेट से मुकाबला जीत लिया।

बांग्लादेश दौरे के लिए ग्रेस हैरिस ऑस्ट्रेलियाई वनडे टीम में शामिल

● सिडनी

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम में बांग्लादेश दौरे के लिए चोटिल डार्सी ब्राउन की जगह ग्रेस हैरिस को एकदिवसीय श्रृंखला के लिए शामिल किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि ब्राउन को बाएं पैर में लगी चोट के कारण टीम मे बाहर किया गया।

उन्होंने कहा कि ब्राउन की वापसी की उचित समय पर होगी। हैरिस को पहले केवल टी-20 टीम के लिए चुना गया था, लेकिन अब वह एकदिवसीय मुकाबले में खेलती नजर आएगी।

प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहने के बाद यूपी वारियर्स के साथ उनका डब्ल्यूपीएल कार्यकाल पहले ही समाप्त हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 टीम में ब्राउन के स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में जगह नहीं दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीमारी के कारण ऑलराउंडर हीथर ग्राहम श्रृंखला के अनुपलब्ध रहेगी।

महेश भूपति ने किया टीटी एरेना में प्रवेश

मुंबई । कई ग्रैंड स्लैम जीत चुके भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति अब एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के तौर पर टेबल टेनिस के विकास में योगदान देंगे। कंपनी शतरंज और टेनिस लीग का हिस्सा रही है और अब अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के साथ मिलकर भारतीय टेबल टेनिस के विकास में योगदान देगी। एसजीएसई के सीईओ महेश भूपति ने कहा, हमें खेल के विकास में भाग लेने का अवसर मिला है।

पाक में 20 साल बाद ट्राई सीरीज

लाहौर। पाकिस्तान में दो दशक के बाद वर्ष 2025 के फरवरी माह में तीन देशों के बीच एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025 के फरवरी माह में होने वाली इस ट्राई सीरीज में मेजबान पाकिस्तान समेत दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीम हिस्सा लेंगी। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के चेयरमैन लॉसन नाइडू और न्यूजीलैंड क्रिकेट के चेयरमैन रोजर ट्वोस से मिलकर इस पर सर्वसम्मति से फैसला लिया है। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच त्रिकोणीय सीरीज रोमांचक होगी और यह काफी समय के बाद है कि पाकिस्तान इस तरह के टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मैं त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेने के लिए सहमत होने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड के प्रमुखों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पीसीबी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी के लिए भी उत्सुक है, जो पाकिस्तान के लिए अपनी धरती पर शीर्ष आठ वनडे टीमों की मेजबानी करने के लिए बहुत खुशी की बात होगी।

लुंगी की जगह जेक दिल्ली में शामिल

नई दिल्ली । पीठ की चोट से उबर रहे लुंगी एनगिडी की जगह ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज जेक फ्रेजर- मैकगर्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल किया गया है।

लुंगी एनगिडी को इस वर्ष की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका प्रीमियर टी-20 के दौरान चोट लगी थी। फ्रेजर-मैकगर्क को 50 लाख रुपए के बेस प्राइस पर टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस सत्र में आईपीटी-20 में दुबई कैपिटल्स के लिए तीन मैच खेले।

अर्जुन और ध्रुव प्री-क्वार्टरफाइनल में हारे

पेरिस, एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ऑरलियन्स मास्टर्स 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में चीन की हुआंग डि और लियू यी से हारकर बाहर हो गई।

ऑरलियन्स मास्टर्स 2024 बैडमिंटन

बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी क्वार्टरफाइनल में गैरवरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी हुआंग डि और लियू यी से 21-15, 21-17 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जुन और कपिला ने मैच की शानदार शुरुआत की और 10-7 से आगे चल रहे थे, लेकिन हुआंग डि और लियू यी ने भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पर बाजी पलटते हुए 18-13 पर पांच अंकों की बढ़त बना ली और फिर पहला गेम आसानी से समाप्त कर दिया। दूसरा गेम बराबरी पर शुरू हुआ लेकिन अर्जुन और कपिला ने लगातार अंक गंवाए।

अचीवमेंट रीतिका को ओलंपिक के लिए शुभकामनाएं दी, अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली पहलवान

रेसलर को पीएम का लेटर, बेटी हर भारतीय की उम्मीद तुमसे है...

● रोहतक

हरियाणा के रोहतक की अंतरराष्ट्रीय पहलवान रीतिका को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्र लिख कर शुभकामनाएं दी हैं। वह मूलरुप से गांव खरकड़ा की रहने वाली है और हाल में अस्थल बोहर में रह रही है। रीतिका अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान है। उसका पेरिस ओलंपिक के लिए चयन हुआ है। पीएम मोदी ने अपने पत्र में लिखा है कि बेटी हर भारतीय की उम्मीद तुमसे है और उनकी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं।

पेरिस ओलंपिक के मंच पर तुम्हारी प्रतिभा के प्रदर्शन का दुनिया बेसब्री से इंतजार कर रही है। रीतिका के पिता आर्मी से रिटायर्ड जगबीर हुड्डा ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं।

बड़ा बेटा रोहित हुड्डा आर्मी में हैं और कुश्ती के खिलाड़ी रहे हैं। वहीं छोटी बेटी रीतिका ने वर्ष 2015 में कुश्ती खेलना आरंभ किया था। उस समय रीतिका 9 वीं कक्षा में थी। रीतिका रोहतक के चौ. छोटूराम स्टेडियम में अभ्यास करती है। अपनी मेहनत के बदौलत रीतिका ने करीब 9 साल में अनेक उपलब्धियां हासिल की। उन्होंने बताया कि 2023 में अल्बानिया की राजधानी तिराणा में आयोजित अंडर-23 वर्ल्ड चैम्पियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता था। जिसकी बदौलत रीतिका भारत की पहली महिला पहलवान बन गई, जिन्होंने अंडर 23 वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले भारत के केवल एक पुरुष पहलवान ने ही अंडर 23 वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। अब रीतिका का चयन भारतीय नेवी में भी हो गया है।

11 मार्च को ओलंपिक के लिए हुआ था चयन

रीतिका की 11 मार्च को ट्रायल थी और उस ट्रायल में बेहतर प्रदर्शन करके ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था। गुरुवार को उनके घर पर पोस्ट के माध्यम से प्रधानमंत्री का पत्र मिला है। प्रधानमंत्री के पत्र में खिलाड़ी को पदक जीतने की शुभकामनाएं देने के साथ-साथ उनके हुनर की तारीफ भी की गई है। रीतिका के पिता जगबीर हुड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री का प्रशंसा पत्र पाकर बेटी का उत्साह दोगुना हो गया। वहीं ओलंपिक में भारत को मेडल दिलाने के लिए रीतिका जुटी हुई हैं। रीतिका अंडर 23 वर्ल्ड चैम्पियनशिप बनने के बाद अंतर विश्वविद्यालय, खेलो इंडिया और महाराष्ट्र केसरी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत चुकी है।

प्रदूषण के असर को कम करता है दूध और गुड़

फेफड़ों के लिए दूध और गुड़ इस समय दिल्ली की हवा बेहद खराब है। फेफड़ों के लिए ये बेहद नुकसानदेह है। एक प्रकार से आप गैस चैम्बर में बैठे हैं जिससे फेफड़ों की कई समस्याएं हो सकती हैं। इंफेक्शन की वजह से बलगम बन सकता है और गले में खिचखिच रह सकती है। इसके अलावा भी आपको कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में रात को सोने से पहले दूध के साथ गुड़ का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। लेकिन, सवाल ये है क्यों और कैसे। जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

दूध और गुड़ का सेवन

दूध और गुड़ का सेवन प्रदूषण के असर को कम कर सकता है। ये दोनों ही गले के कोमल ऊतकों पर चिकना और सुखदायक प्रभाव डालते हैं जिससे गले की जलन कम हो जाती है। आयुर्वेद के अनुसार, यह फेफड़ों को गर्म करता है और श्वसन पथ को फैलाता है जिससे बलगम साफ होता है, सांस लेने में दिक्कत नहीं होती और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं से बचने में मदद मिलती है। इसके अलावा ये प्रदूषकों के असर को हल्का कर देता है एक क्लींजर की तरह काम करता है।

फेफड़ों के लिए दूध और गुड़ के फायदे

फेफड़ों के लिए दूध और गुड़ के कई फायदे हैं। ये दोनों ही पहले तो लंग्स क्लीनर की तरह काम करते हैं। दरअसल, ये ब्रोंको-डिलेटर है यानी एक ऐसा पदार्थ जो उन लोगों में ब्रोन्कियल मांसपेशियों को आराम देता है जिन्हें खांसी-जुकाम और ड्राई कफ की समस्या होती है। इसके अलावा ये ब्रोंकाइटिस जैसा इंफेक्शन में भी फायदेमंद है।

ऐसे करें दूध और गुड़ का सेवन

दूध और गुड़ का सेवन आपको ऐसे करना है कि पहले दूध को गर्म कर लें और फिर पीने से पहले 1 टुकड़ा गुड़ खा लें। इसके अलावा आप दूध को हल्का गर्म करें और इसमें गुड़ मिलाकर जल्दी से पी लें। नहीं तो, गुड़ की वजह से दूध फट सकता है। इसके अलावा आप इसमें हल्दी भी मिला सकते हैं। तो, इस प्रकार से खराब होती हवा के बीच ये फूड तेजी से काम कर सकता है।

पुरुषों के लिए बेहद फायदेमंद है बड़ी इलाइची

शारीरिक कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के उपचार की खोज में, हम अक्सर उन शक्तिशाली समाधानों को नजरअंदाज कर देते हैं जो हमारे घरों के भीतर छिपे होते हैं। हमारी रसोई में मौजूद कई वस्तुएं जहां अपने पाक महत्व के लिए पहचानी जाती हैं, वहीं आयुर्वेद की दुनिया में जड़ी-बूटियों और औषधियों के रूप में भी महत्व रखती हैं। स्वास्थ्य लाभों का एक ऐसा

पावरहाउस है काली इलायची, जिसे इसके विभिन्न चिकित्सीय गुणों के लिए सम्मानित किया गया है। विशेष रूप से पुरुषों के लिए, पाचन में सुधार से लेकर यौन स्वास्थ्य को बढ़ाने तक, कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने में काली इलायची को एक प्रभावी सहायता के रूप में देखा जाता है। आइए आपको बताते है पुरुषों के लिए काली इलायची के बहुमुखी लाभों के बारे में...

काली इलायची के स्वास्थ्य लाभ

भूख और पाचन को बढ़ाता है

काली इलायची पाचन स्वास्थ्य में सुधार और भूख बढ़ाने के लिए जानी जाती है। इसके लाभों का लाभ उठाने का एक सरल तरीका सौंफ और बड़ी इलायची के बीजों को बराबर मात्रा में मिलाकर पीसना है। रोजाना इस पाउडर का एक चम्मच सेवन पाचन में सहायता कर सकता है और भूख को प्रभावी ढंग से बढ़ा सकता है।

वजन घटाने में

काली इलायची का नियमित सेवन बेहतर पाचन और बेहतर चयापचय में योगदान दे सकता है। नतीजतन, यह वजन घटाने में सहायता करता है और मोटापे को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सहायता करता है।

दांत दर्द में आराम

काली इलायची में एनाल्जेसिक गुण होते हैं जो दांत दर्द से तुरंत राहत दिला सकते हैं। काली इलायची और लौंग के तेल को समान मात्रा में मिलाकर प्रभावित क्षेत्र पर लगाने से दर्द और परेशानी काफी हद तक कम हो सकती है।

बढ़ते प्रदूषण के कारण हर तीसरा बच्चा है अस्थमा का मरीज इस तरह करें बचाव

दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण बढ़ते ही जा रहा है। जिस वजह से इसका सीधा असर बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। हवा की गुणवत्ता जिस तेजी से खराब हुई है। उससे साफ है कि दिवाली तक हालात और भी बद्तर होने वाले हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने भी चिंता जताते हुए कहा कि प्रदूषण की वजह से बच्चों में अस्थमा की समस्या बढ़ती जा रही है। कोर्ट का कहना है कि दिल्ली में हर तीसरा बच्चा अस्थमा से पीड़ित है। यह हवा बड़े लोगों से ज्यादा बच्चों पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में दुषित हवा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बनते जा रहा है। साथ ही बच्चों का इम्यून सिस्टम उतना मजबूत नहीं होता है जिसका सीधा असर उनके फेफड़ों पर पड़ता है। प्रदूषण वाली हवा में मौजूद नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें बच्चों को ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चे की सेहत को लेकर चिंता में हैं तो इन कुछ आसान तरीकों से अपने बच्चों की देखभाल कर सकते हैं और उन्हें प्रदूषण से बचा सकते हैं।

अस्थमा से पीड़ित बच्चों का ऐसे रखें ख्याल

अगर आपका बच्चा भी अस्थमा से पीड़ित है तो आपको बेहद सतर्क रहने की ज़रूरत है। दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण बहुत ज़्यादा है इसलिए अगर आप बच्चों को घर से जितना कम बाहर निकलने दें उनके लिए उतना अच्छा होगा। अस्थमा से पीड़ित बच्चों के पास हमेशा इन्हेलर रखें। रास्त में सोने से पहले गर्म पानी का सेवन करें। दिवाली के दौरान उन्हें पटाखे न फोड़ने दें।

वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियां

प्रदूषण वाली हवा के बीच सांस लेने से बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिसका सीधा असर उनके फेफड़ों पर पड़ता है। जिस वजह से वे इन गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

निमोनिया

-फेफड़ों की समस्याएं

-कमजोर दिल

-ब्रोंकाइटिस

-साइनस

-अस्थमा

प्रदूषण की मार से बच्चों को ऐसे बचाएं

दिल्ली में इन दिनों वायु प्रदूषण बढ़ रहा है आपका बच्चा भी अस्थमा का शिकार न हो इसलिए अपने बच्चे के मुंह पर हमेशा मास्क लगाएं। बच्चों के लिए डिस्पोजेबल मास्क का उपयोग करें। वायु प्रदषूण बढ़ने से सबसे ज़्यादा बच्चों पर असर हुआ है इसलिए उन्हें घर से तभी निकलने दें जब जरूरी हो। बच्चों को प्रदूषण की मार से बचाने के लिए घर पर एयर प्यूरीफायर लगवाएं। बच्चों के खानपान पर भी दें ध्यान।

मां और शिशु दोनों रहेंगे दुरुस्त खाएं ये सीड्स

मां बनना हर महिला के लिए बेहद खास होता है। हालांकि, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं कई तरह के बदलावों से गुजरती हैं और लगभग हर महिला के मन में इस बात को लेकर शंका रहती है कि उसे क्या खाना चाहिए और उसके बच्चे के लिए क्या सुरक्षित है? आज हम आपको कुछ ऐसे सीड्स के बारे में जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए अच्छे होते हैं। विशेषज्ञों की माने तो हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिए डाइट हेल्दी चीजों से भरपूर होनी चाहिए, क्योंकि इससे शिशु को अच्छी तरह से बढ़ने के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। प्रोटीन, हेल्दी फैट, फोलेट, विटामिन-ई, मैग्नीशियम, ओमेगा-3 और 6 से भरपूर सीड्स हेल्थ को दुरुस्त रखते हैं। साथ ही, इसमें मौजूद फाइबर से डाइजेशन ठीक रहता है। इससे आप अपना वजन कम कर सकते हैं। इससे आप अपने बालों और त्वचा को खूबसूरत बना सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्रेग्नेंसी में इसे डाइट में शामिल करने से मां और शिशु दोनों की हेल्थ सही रहती है।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज में प्रोटीन और फाइबर भी होता है। ये प्रेग्नेंट महिलाओं के डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए अच्छे हैं और उनके शरीर को ऊर्जावान बनाए रखते हैं। हालांकि, ये बीज कैलोरी से भरपूर होते हैं, इसलिए आपको इनका सेवन कम मात्रा में ही करना चाहिए।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम और जिंक से भरपूर होते हैं। इसलिए इन्हें प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हेल्दी माना जाता है। अच्छी नींद दिलाने के अलावा, ये बीज जेस्टेशनल डायबिटीज होने के खतरे को कम करते हैं। इसके अलावा, प्रेग्नेंट महिलाओं के ब्लड प्रेशर को रेग्यूलेट करते हैं और होने वाले शिशु की ग्रोथ में मदद करते हैं।

चिया सीड्स

ओमेगा-3 एक जरूरी न्यूट्रिएंट है, जिसकी प्रेग्नेंट महिलाओं को शिशु के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए जरूरत होती है। इसलिए प्रेग्नेंट को अपनी डाइट में चिया सीड्स को शामिल करना चाहिए। इसके अलावा, ये सीड्स प्रीमैच्योर बर्थ को कम करते हैं।

ये सीड्स अल्फा-लिनोलेनिक एसिड का प्लांट-बेस्ड स्रोत हैं, जो ओमेगा -3 का रूप है। लेकिन, प्रेग्नेंट महिलाओं को एक दिन में 1 चम्मच से ज्यादा सीड्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

तिल के बीज

ये छोटे बीज, हेल्थ का पावरहाउस हैं। अगर प्रेग्नेंट महिलाएं इसे अपनी डाइट में शामिल करती हैं, तो शिशु की हेल्थ सही रहती है। इनमें कैल्शियम होता है, जो शिशु के दांतों और बोन स्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए जरूरी है। लेकिन, इन बीजों की तासीर गर्म होने के कारण प्रेग्नेंट महिलाओं को दिन में 1 चम्मच ही खाना चाहिए। इसमें प्रेग्नेंट महिला के शरीर की डेली जरूरत का 9 प्रतिशत कैल्शियम होता है।

अलसी के बीज

प्रेग्नेंसी के शुरुआती महीने शिशु के डेवलमेंट और ग्रोथ के लिए जरूरी होते हैं। इसलिए प्रेग्नेंसी के फर्स्ट ट्राइमेस्टर में डाइट में अलसी के बीजों को शामिल करना चाहिए।

ये फूड्स जो आपकी किडनी को हैल्दी रखने में करते हैं मदद

किडनी हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। इसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना काफी जरूरी होता है। क्योंकि यही वह अंग है जो शरीर को डिटॉक्स करता है। किडनी अपना काम करना बंद कर दे तो व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। वहीं हमारी खराब लाइफस्टाइल किडनी के स्वास्थ्य को खराब करती है। ऐसे में अगर आप किडनी को डिटॉक्सिफाई करना चाहते हैं तो कुछ खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल कर सकते हैं। इससे किडनी फंक्शन में सुधार होता है।

क्रैनबेरी

किडनी को साफ रखने के लिए आप क्रैनबेरी या इसका जूस भी पी सकते हैं। हेल्थ केयर के मुताबिक क्रैनबेरी यूटीआई के इन्फेक्शन की रोकथाम में मदद करता है। इसमें एक खास तरह का एसिड होता है जो स्टोन बनने की प्रक्रिया को रोकने में मदद करता है। यह किडनी से विषाक्त पदार्थ निकालकर किडनी फंक्शन में सुधार करता है।

खट्टे फल

किडनी को साफ करने के लिए आप डाइट में खट्टे फलों को शामिल कर सकते हैं। जैसे लेमन, ऑरेंज। यह शरीर में हाइड्रेशन बनाए रखता है और विषाक्त पदार्थ को फ्लश आउट करने में मदद करता है। इनमे हाई लेवल में मौजूद सिट्रेट किडनी स्टोन फॉर्मेशन को रोकने में मदद करता है।

खीरा

खीरे में पानी की मात्रा ज्यादा होती है यह आपको ताजगी तो देता ही है साथ ही आपको हाइड्रेट भी रखता है। खीरे में ड्यूरेटिक प्रभाव होता है जो किडनी की पथरी की रोकथाम में मदद करता है किडनी फंक्शन के बेहतर कामकाज में मदद करता है।

राजमा

किडनी बींस जिसे हम राजमा के नाम से जानते हैं। यह दिखने में बिल्कुल किडनी की तरह लगता है। इसके सेवन से भी आप किडनी को साफ और डिटॉक्स (फुल बॉडी को ऐसे करें डिटॉक्स) कर सकते हैं। यह किडनी से विषाक्त पदार्थों हटा कर किडनी फंक्शन में सुधार करता है।

सेलेरी

सेलेरी भी किडनी डिटॉक्स करने में मददगार साबित हो सकता है। ये एक लो कैलोरी सब्जी है, इसमें अल्कलाइन प्रॉपर्टीज अधिक मात्रा में होती है। इसके अलावा इसमें ड्यूरेटिक

गुण भी होते हैं जो यूरिन का प्रोडक्शन करके विषाक्त पदार्थ को शरीर से फ्लश आउट करने में मदद करते हैं।

पानी

किडनी को साफ रखने के लिए इन सभी चीजों में से सबसे ज्यादा जरूरी है खुद को हाइड्रेट रखना। किडनी को साफ करने और डिटॉक्सिफाई करने में पानी सबसे अहम भूमिका निभाता है।

हाइड्रेट रहने से विषाक्त पदार्थ और अपशिष्टों को बाहर निकालने में मदद मिल सकती है। पानी की मदद से प्राकृतिक रूप से किडनी की मरम्मत में मदद मिल सकती है। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से स्टोन बनने की संभावना काफी ज्यादा काम हो जाती है।

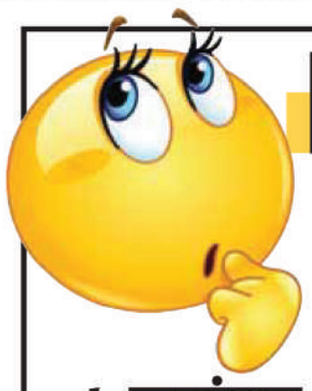

क्या आप जानते हैं?

4 नवंबर का इतिहास

-**अल्मीडा** के बाद 1509 में अल्फांसो द अल्बुकर्क भारत में दूसरे पुर्तगाली वायसराय बने।

-फ्रेडरिक पंचम 1619 में यूरोपीय देश बोहेमिया के राजा बने।

-दिल्ली में 1822 में जल आपूर्ति योजना का औपचारिक रूप से शुभारंभ।

-अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने 1822 में मैरी टोड के साथ शादी की।

-जेम्स बुकानन 1856 में अमेरिका के 15वें राष्ट्रपति बने।

-अमेरिका के बोस्टन में 1875 में मैसाचुसेट्स राइफल एसोसिएशन की स्थापना हुयी।

-अफ्रीकी देश मोरक्को और कांगो को लेकर फ्रांस तथा जर्मनी के बीच 1911 में समझौते पर हस्ताक्षर।

-वायोमिंग की नेली टेलो रॉस 1924 में संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रथम महिला गवर्नर चुनी गई।

-कश्मीर के बडगांव के मेजर सोमनाथ शर्मा को 1947 में पहला परमवीर चक्र मिला। हालांकि उन्हें यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया।

-दार्जिलिंग में हिमालयन पर्वतारोहण की संस्थान की स्थापना 1954 में की गई।

-ओ बी अग्रवाल 1984 में एमेच्योर स्नूकर के विश्व चैंपियन बने।

-1995 में इसराइल के प्रधानमंत्री की हत्या हो गई.

-सियाचीन बेस कैम्प में सेना की आफ़ सिग्नल ने 1997 में विश्व का सर्वाधिक ऊँचा एस.टी.डी. बूथ स्थापित किया।

ये मद्राएं माइग्रेन के दर्द से दिलाती है आराम

आज के समय में अधिकतर लोग माइग्रेन के दर्द से पीड़ित हैं। ये दर्द काफी परेशान करने वाला होता है। सिर के एक तरफ ऐसा दर्द उठता है कि व्यक्ति बेचैन हो जाता है। इसके कारण रोजमर्रा के काम में भी दिक्कत होती है। इस समस्या में जी मिचलाना, उल्टी, लाइट के प्रति संवेदनशीलता हो जाती है। कई बार ये दर्द सुबह उठते ही सताने लगता है। अगर आप भी अक्सर माइग्रेन के दर्द से पीड़ित हो जाते है तो यहां हम बताने वाले के ये मुद्राएं कैसे आपके लिए कारागार साबित हो सकता हैं। योगा विशषज्ञों के मुताबिक आप माइग्रेन पेन को दूर करने के लिए आकाश मुद्रा, वायु अपान मुद्रा और महाशीर्ष मुद्रा कर सकते हैं। इन मुद्राओं को करने से एनर्जी पूरे शरीर में जाती है जिससे आप खुश और शांत महसूस करते हैं। आइए जानते हैं कैसे करते हैं ये मुद्रा

आकाश मुद्रा

आकाश मुद्रा करने के लिए सबसे पहले आप शांत वातावरण में पद्मासन में बैठ जाएं (इस मुद्रा से लंबे और काले बनेंगे बाल) सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों को अपने दोनों घुटनों पर रखें। अब आपने हाथों की बड़ी उंगली को अंगूठे से मिलाएं और बाकी उंगलियों को सीधा रखें। इस स्थिति में आंख बंद करके सांस पर ध्यान केंद्रित करते हुए कम से कम 3 से 4 मिनट तक बैठे रहें। जब भी आपको माइग्रेन का दर्द परेशान करें आप ये मुद्रा कर सकते हैं।

वायु अपान मुद्रा

इस मुद्रा को करने के लिए आप सबसे पहले शांत वातावरण में सुखासन में बैठ जाएं। गहरी सांस लेते हुए हथेलियों को दोनों घुटनों पर टिकाएं। अब हाथ की सबसे पहली वाली उंगली को मोड़ कर अंगूठे के निचले हिस्से पर रखें। अब बीच वाली उंगली और रिंग फिंगर को अंगूठे के टिप पर लगाएं।

सबसे छोटी वाली उंगली को बाहर की फैला कर रखें।

इस मुद्रा के दौरान आंखे बंद करके गहरी सांस लें और पूरा ध्यान सांसों पर केंद्रित रखें। इस मुद्रा को करने से सिर दर्द में आराम मिल सकता है।

महाशीर्ष मुद्रा

इस मुद्रा को करने के लिए आप सबसे पहले शांत वातावरण में सुखासन में रिलैक्स होकर बैठ जाएं। अपने कंधे को ढीला छोड़ दें। अब दोनों हाथ के अंगूठे, बीच की उंगली और पहली उंगली को साथ में उठाएं। (कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए ये मुद्रा करें) छोटी उंगली के साथ वाली उंगली को हथेली पर रखें। इस दौरान गहरी सांस लें और छोड़ते रहें। इस मुद्रा का अभ्यास करने से आपको माइग्रेन के दर्द में आराम मिल सकता है।

सवा 8 लाख नगद, 16 लाख के आभूषण, 2 तमंचा व कारतूस संग 3 शातिर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही तथा जनपद में लगातार हो रही चोरियों पर अंकुश लगाते हुए घटना में सम्मलित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व चोरी हुए माल की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के कुशल निर्देशन में शनिवार को प्रभारी निरीक्षक मुहम्मदाबाद पवन कुमार उपाध्याय मय हमराह द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 58/2024 धारा 457, 380 सहित जनपद की अन्य चोरियों से सम्बन्धित अभियुक्तगण अनुराग रावत पुत्र महेश रावत निवासी हिमलासा थाना हिमलासा जनपद सागर म0प्र0 हाल पता गंगौत्री बिहार थाना लंका जनपद वाराणसी उम्र 21 वर्ष, प्रशान्त कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 गोविन्द प्रसाद गुप्ता निवासी बी-2/156 भदेनी थाना भेलूपुर जनपद वाराणसी उम्र 32 वर्ष, अभिषेक यादव पुत्र राजू यादव निवासी नगवा थाना लंका जनपद वाराणसी उम्र 22 वर्ष को तिवारीपुर तिराहा, मुहम्मदाबाद से समय करीब रात 12.20 बजे गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से कुल 8 लाख पच्चीस हजार रुपये नगद0समेत बड़ी मात्रा में पीली तथा सफेद धातु के आभूषण (अनुमानित कीमत लगभग 1600000 रुपये) तथा 2 अदद तमंचा व 02 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण उपरोक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर थाना मुहम्मदाबाद अन्तर्गत ग्राम सलेमपुर निवासी विनोद कुमार गुप्ता पुत्र रामेश्वर प्रसाद के घर से दिनांक 10 मार्च 24 को नगदी समेत बड़ी मात्रा मे आभूषण तथा थाना मुहम्मदाबाद क्षेत्र में दिनांक 23/24 फरवरी 24 की रात्रि में यूनियन बैंक नसीरपुर कटरिया में नकब लगाकर चोरी के प्रयास समेत थाना कोतवाली नगर क्षेत्र की 02 चोरी की घटना कारित करने की बात स्वीकर किया गया है। जिसके सम्बन्ध में थाना मुहम्मदाबाद व थाना कोतवाली पर अभियोग पंजीकृत है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीडीओ तथा एसडीएम ने सुनी फरियाद 304 में 23 का हुआ समाधान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील जखनियां में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्यकी अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमे 73 प्रार्थना प्राप्त हुए और मौके पर 05 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातो तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 304 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 23 प्रार्थना पत्रो का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील सैदपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 38 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 04 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 41 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। मुहम्मदाबाद तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 53 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके 03 का निस्तारण किया गया। तहसील कासिमाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 31 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 20 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 02 का निस्तारण किया गया एवं तहसील सदर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 48 प्रार्थना प्राप्त 03 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसी क्रम में उन्होने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करायी जाय। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी जखनियां, क्षेत्राधिकारी जखनियां एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला ग्राम प्रधान ने गांव की बदली सूरत, जनपद में नेहिया ग्राम सभा को मिला दूसरा स्थान

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। महिला ग्राम प्रधान पूजा सिंह का चयन मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए किया गया वही पुरस्कार के तौर पर नगद धनराशि भी प्रदान गई है वही मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए पिंडरा ब्लॉक के चोलापुर नेहिया गांव का चयन दूसरे स्थान पर होने से ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है` उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम प्रधानों में विकास की ललक पैदा करने व कार्य में गुणवत्ता लाने के उद्देश्य से उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को पुरस्कार देने की घोषणा किया था` जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने चयनित पंचायतों की सूची शासन को भेजी थी जिसमे जनपद वाराणसी के आठों ब्लॉक में से पांच ग्राम सभा को चयनित किया गया इसमें पहले स्थान पर सेवापुरी ब्लॉक के भीषमपुर, दूसरे स्थान पर

पिंडरा के नेहिया, तीसरे पर पिंडरा का रसूलपुर, चौथे पर सेवापुरी के जग्गापट्टी और पांचवे स्थान पर चोलापुर के भिदूर गांव का चयन किया गया है। नेहिया गांव की महिला ग्राम प्रधान पूजा सिंह ने कहा कि ग्रामप्रधान बनने के बाद गांव में विकास कार्य करने की एक चाह पैदा हो गई थी कार्य करने की प्रेरणा पति संदीप सिंह ने दिया जो हर कदम पर सहयोग करते हैं वही महिला ग्राम प्रधान पूजा सिंह को मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार मिलने पर पिंडरा बीडीओ छोटे लाल तिवारी, एडीओ पंचायत अशोक कुमार चौबे,सचिव लालबहादुर पटेल,पंचायत सहायक निशा वर्मा,डा.जे.पी सिंह, फौजदार पटेल, पप्पू राजभर,विपिन सिंह,ओमप्रकाश दूबे, सरोजा देवी, लालमनि देवी,रीता सिंह, बबिता दुबे सहित गांव के लोगो ने मिठाई खिलाकर बधाई दी।

कहानी विधा से शिक्षण करने वाले शिक्षक हुए सम्मानित

कमलेश को कहानी विधा से शिक्षण में चौथी बार जनपद में प्रथम स्थान

वाराणसी। एससीईआरटी लखनऊ के तत्वाधान में प्रोग्राम एंड एक्टिविटीज के अंतर्गत जनपद स्तरीय कहानी सुनाने की प्रतियोगिता का आयोजन डायट सारनाथ के केंद्रीय सभागार में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न ब्लॉकों के कुल 111 नवाचारी शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता को तीन वर्गों में विभाजित किया गया था। प्रथम वर्ग में कक्षा एक से तीन द्वितीय वर्ग में कक्षा चार से पांच और तृतीय वर्ग में कक्षा 6 से 8 की प्रस्तुतियां कराई गई।कुल सर्वश्रेष्ठ 52 प्रस्तुतियां निर्णायक मंडल के समक्ष आकलन के लिए उपलब्ध हुई। निर्णायक मंडल में सम्मिलित वरिष्ठ प्रवक्ता सूर्यकांत त्रिपाठी, हरगोविंद पुरी, विकास कुशवाहा, अनुराग सिंह, शालिनी उपाध्याय,गोविंद चौबे एवं नीलम राय ने सभी प्रतिभागियों का

अलग-अलग आकलन किया। निर्णायक मंडल द्वारा अपने सामूहिक निर्णय में विभिन्न वर्गों कक्षा 6 से 8 के लिए कमलेश कुमार पाण्डेय कंपोजिट स्कूल रमईपट्टी, पिंडरा,कक्षा 4 से 5 के लिए अरविंद सिंह प्राथमिक विद्यालय धौकलगंज, बड़ागांव एवं कक्षा 1 से 3 के लिए चंद्रेश कुमार प्राथमिक विद्यालय अजईपुर, पिंडरा को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए प्रथम स्थान हेतु प्रमाण पत्र एवं डायरी देकर सम्मानित किया। अन्य पुरस्कारों में द्वितीय,तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कारों का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रवक्ता डॉ हरगोविंद पुरी ने कहा कि शिक्षण अधिगम को सरल,सहज और रुचिकर बनाने में कहानी विधा की प्रासंगिकता बनी हुई है ।और नई शिक्षा नीति 2020 में कहानी विधा से कक्षा शिक्षण को प्रबलित किया गया है।

46वीं सब जूनियर नेशनल कैरम चैंपियनशिप वाराणसी के लिये उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन की टीम घोषित

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। आगामी 28 से 31मार्च के बीच वाराणसी में होने वाली 46 वीं सब जूनियर नेशनल कैरम चैंपियनशिप वाराणसी के उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन की टीम घोषित कर दी गई है जूनियर वर्ग में टीम में होंगे 12 बालक और 12 बालिका खिलाड़ी जब की कैडेट वर्ग की टीम में होंगे चार, चार बालक, बालिका खिलाड़ी` ज्ञात रहे कि होस्ट स्टेट होने के नाते उत्तर प्रदेश को टीम के निर्धारित 6,6 खिलाड़ियों के स्थान पर 12,12 बालक बालिका खिलाड़ियों और कैडेट टीम में 2,2 की जगहं 4,4 बच्चे बच्चियों को इस चैंपियनशिप में फेडरेशन द्वारा प्रवेश का मौका दिया जा रहा है उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन केअध्यक्ष बैजनाथ सिंह और सचिव जहीर अहमद ने चयन समिति के सदस्य सरदार रणवीर सिंह, रमेश कुमार वर्मा और सिराजुद्दीन की अनुशंसा पर जूनियर वर्ग में टीम में होंगे जिसमें 12 बालक और 12 बालिका खिलाड़ी जबकी कैडेट टीम में होंगे चार चार बालक और बालिका खिलाड़ी सम्मिलित होंगे जिनके नाम इस प्रकार हैं -

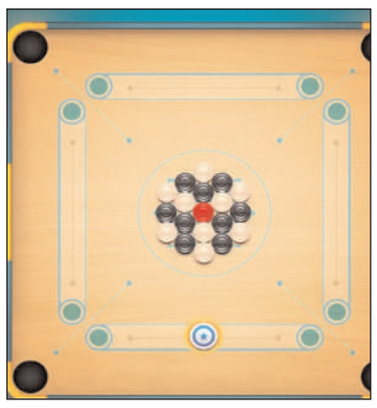

जूनियर ब्वायज टीम (14 वर्षआयु वर्ग)- हर्षित केसरी वाराणसी, इब्राहिम जमील कानपुर, मोहम्मद ताम्हीद इलाहाबाद, फरदीन अलीगढ़, कुणाल गोस्वामी वाराणसी, आयुष गुप्ता वाराणसी , आसिफ परवेज कानपुर, रशदनूर अलीगढ़, यूनुस आलम लखनऊ, सक्षम श्रीवास्तव वाराणसी, फजल मोबिन वाराणसी ,यश सिंह वाराणसी इसके अलावा रिजर्व में होंगे फैजान अली और दिव्यांश वाराणसी` जबकी बालक वर्ग की कैडेट टीम( 12वर्ष आयु वर्ग) में हैं अरिंदम त्रिवेदी वाराणसी, विराट कुमार वाराणसी ,अमन कुमार वाराणसी, मोहम्मद आशियान आगरा`

बालिका वर्ग की चैंपियनशिप टीम (14 वर्ष आयु वर्ग) - अंशिका सिंह, सत्यांगना पाल, शिक्षा मिश्रा, आस्था यादव, सृष्टि यादव ,साक्षी वर्मा ,मांस्की राय, पीहु जयसवाल, प्रगति सिंह ,आस्था सिंह, काव्य गुप्ता, सृष्टि कुमारी सभी वाराणसी जबकि बालिका वर्ग की कैडेट टीम (12 वर्षआयु वर्ग) में सौम्या श्रीवास्तव, सौम्या यादव अंशु यादव, आराध्या तिवारी और सानिया सिंह सभी वाराणसी सम्मिलित होंगी।

श्री विधा धर्म प्रचारिणी नेपाली समिति द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

प्रखर वाराणसी। श्री विधा धर्म प्रचारिणी नेपाली समिति, वाराणसी द्वारा दि०16मार्च 2024के दिन 'पराड़कर स्मृति सभागार, गोलघर, वाराणसी में "मदन स्मारक सम्मान' प्रदान समारोह स्थानीय नेपाली साहित्य प्रेमियों की उपस्थिती में उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। आगे बताते चलें की ३-४ वर्षों से 'कोरोना आतंक' के कारण स्थगित रहा। यह सम्मान नेपाल के प्रधानमंत्री के सुपुत्र मदन शम्शेर की रानी जगदम्बा ने अपने पति की स्मृति में स्थापित किया। नेपाल में इसे 'मदन पुरष्कार" के नाम से प्रसिद्धि प्राप्त है । और भारत में नेपाली साहित्यकारों एवं साहित्य सेवियों को दिया जाने वाला यह सम्मान 'मदन स्मारक सामान से जाना जाता है। प्रत्येक वर्ष दिया जाने वाला यह सम्मान इस वर्ष सन् २०२२ के लिए श्रीमती दिलकुमारी भण्डारी, भूतपूर्व सांसद, सिक्किम को सुनीता तथा २०२३ के लिए श्रीमती दाहाल को प्रदान किया गया। आगे और भी हमने जाना की

भारतीय संविधान में नेपाली भाषा को अन्तर्मुक्त करने में अकथनीय योगदान प्रदान किया था तथा सिक्किम में नेपाली साहित्य के उत्थान में अनवरत प्रयासरत है। सुनीता दाहाल को तमिल के कालजयी महाकाव्य 'तिरुक्कुरल' को नेपाली में अनुवाद करने के लिए सम्मानित किया गया है। आप वेयुतुरु निवासी नेपाली साहित्यकार है। इस सामान्य समारोह की अध्यक्षता डा हरिप्रसाद अधिकारी, सम्पूणानंद सस्कृत विश्व - विधालय के प्राध्यापक ने किया। समारोह में परम्पराका निर्वाह करते हुए नेपाल से श्रीमती रूपा दीक्षित, प्रबुद्ध समाज सेविका तथा भूतपूर्व यूनेस्को की नेपाल संचालिका एवं हिन्दी एवं नेपाली के साहित्यकार दुर्गाप्रसाद श्रेष्ठ की गरिमामय उपस्थिति थी। सम्मान समारोह में उपस्थित जनों में डॉ हजारी प्रसाद पदाधिकारी संपूणानंद संस्कृत विवि, वाराणसी श्रीमती रूप जोशी काठमांडू नेपाली, विशिष्ट अतिथि श्री दुर्गा प्रसाद वाराणसी साहित्यकार, सम्मान आमंत्रित श्रीमती दिल कुमारी भंडारी भूतपूर्व सांसद और समाजसेवी, श्रीमती सुनीता दहल बेंगलुरु, डॉक्टर अमित थापा, डॉ मौसम शर्मा, सुश्री सृजन सुब्बा, श्री कुशाल तमांग।

समाजवादी पार्टी संतकबीरनगर जिला इकाई का हुआ गठन, अब्दुल कलाम जिला अध्यक्ष तो विनोद यादव बने जिला महासचिव

प्रखर संतकबीरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आदेशानुसार संत कबीर नगर जिला कार्यकारणी इकाई का गठन किया गया। पूर्व में गठित सपा की संतकबीरनगर जिला इकाई को भंग किया गया था। पुनः दुबारा नई कार्यकारिणी कमेटी का गठन कर लोकसभा 2024 के चुनाव में सपा की जीत तथा बीजेपी की बाजी को पलटने की तैयारी में सपाई जुटे। जिला कार्यकारणी की नव नियुक्त गठित टीम के बारे में लोगों को अवगत कराने हेतु समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आज प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सभी नव नियुक्त पदाधिकारीयो तथा सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा निर्देशित जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम के द्वारा गठित जिला कार्यकारणी की टीम में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम, आलोक यादव, केडी यादव, एक लाख अहमद, शैलेंद्र यादव, अखिलेश चौधरी, नित्यानंद यादव, सिराज अहमद, स्वामीनाथ शाहनी, कौशल चौधरी, लाल बहादुर यादव को उपाध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी

दी गई। वही संत कबीर नगर जिले से समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव विनोद यादव को नियुक्त किया गया। रामनाथ चौरसिया को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। राम सुरेश चौरसिया, योगेंद्र माझी, प्रमोद अशोक यादव अरशद खान आमिर जफर अंसारी रामदयाल राजभर राधेश्याम निषाद राम आशीष गौतम बाल गोविंद चौधरी अवधेश यादव सरवन यादव सुभान यादव रबीउल अव्वल अंसारी अनिल यादव महेंद्र प्रताप यादव राजेंद्र प्रसाद आजाद राजेश तिवारी रामनिवास यादव को जिला कार्यकारिणी की टीम में जिला सचिव के पद से नवाजा गया है। राम भरोसे वारसी राजाराम मौर्य हरी लाल लोधी रमेश यादव गणेश सैनी सोमनाथ सुरेंद्र यादव और गीता भाभी विक्रम प्रसाद मांगीलाल प्रजापति कौशल किशोर सिंह मिश्रा अहमद राजेश तिवारी आदि लोगों को सचिव के पद की जिम्मेदारी दी गई हैं। पार्टी कार्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयो को जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम ने बधाई देते हुए कहा की सभी नवनियुक्त पदाधिकारी अपने-अपने पद की गरिमा का ख्याल रखते हुए समाजवादी पार्टी के हाथों को मजबूत करने तथा 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत को सुनिश्चित करने के लिए कार्य करें। संत कबीर नगर जिले के खलीलाबाद शहर स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर नवनियुक्त पदाधिकारी को बुके दे कर तथा माला पहनकर स्वागत किया गया तथा हार्दिक बधाई व शुभकामना दी गई। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सपा की संतकबीरनगर जिले के नवनियुक्त जिला महासचिव विनोद कुमार यादव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल जी तथा संत कबीर नगर के जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम जी को में हार्दिक बधाई देता हूं धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। शीर्ष नेतृत्व के द्वारा महासचिव की जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है उसे जिम्मेदारियां का मैं तन मन धन से जिला अध्यक्ष के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का काम करूंगा तथा अपने जिम्मेदारियो का निर्वहन करते हुए सभी के विश्वास पर खरा उतरने के लिए सदैव तत्पर व तैयार रहूंगा।। विनोद यादव ने आगे-अभी बताया कि प्रत्याशी कोई भी हो हमें सिर्फ साइकिल वाले चुनाव चिन्ह को देखते हुए साइकिल की बटन को दबाते हुए समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को भारी से भरी मतों से विजई बनाना है।

धनंजय सिंह के जन समर्थन में लगातार चल रहा है हस्ताक्षर कैंपेन

जौनपुर। धनंजय सिंह पूर्व सांसद के जन समर्थन में लगातार हस्ताक्षर अभियान हर्षित सिंह "गोलू" छात्र नेता तिलकधारी सिंह महाविद्यालय जौनपुर द्वारा चलाया जा रहा है लगातार धनंजय सिंह के समर्थक हजारों की संख्या में हस्ताक्षर कर के ये संदेश दे रहे है की जौनपुर की जनता उनके साथ है और हमेशा रहेगी।जब से धनंजय सिंह जेल गए है सैकड़ों समर्थक के यहां चूल्हा नहीं जला, धनंजय सिंह के जेल जाने के बाद भी समर्थको का हौसला एकदम कम नहीं हुआ है वही जोश के साथ अपने नेता के लिए जी जीझजान से लगे है। हस्ताक्षर अभियान में विपुल सिंह, अंशुमान सिंह, निमिष सिंह, शुभम प्रकाश सिंह, एमडी शिराज,अमन पांडेय, सौरभ सिंह, महबूब खान, शुभम यादव, अभिषेक यादव, सचिन यादव, राहुल तिवारी, अनुराग शुक्ला, मयंक गुप्ता, गौरव वर्मा, अफजल सिद्दिकी, रेहान खां, अंकित सोनकर, दिलीप सोनकर, दीपू श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, राहुल सोनकर, शाहिद पठान, सुभाष गौतम, हरी गौतम, शिवम, चंदन, अशियम एहसान आदि सैकड़ों समर्थक हस्ताक्षर अभियान में शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

नदीम जावेद की माता के निधन पर प्रियंका गांधी ने भेजा शोक संदेश

खेतासराय (जौनपुर)। कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व विधायक नदीम जावेद की माता के निधन पर कांग्रेस की जनरल सेक्रेटरी प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार की देर शाम उनके पैतृक गांव पाराकमाल एक डेलीगेट भेजकर शोक संदेश संदेश भेजा। पूर्व विधायक की माता मसरूरा खातून का तीन दिन पहले कार्डियो अटैक के चलते निधन हो गया था। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह के नेतृत्व में पहुँचा प्रतिनिधिमंडल ने प्रियंका गांधी के शोक संदेश को सुनाया। प्रियंका ने भेजे पत्र में गहरी शोक संवेदना प्रकट करते हुए खिराजे अकीद पेश की। गौरतलब है कि दिवंगता मसरूरा खातून के पति प्रो. जावेद खान महाराष्ट्र सरकार में दो दशक तक कबीना मंत्री रहे। सोशल प्लेटफार्म एक्स पर देश भर के दिग्गज लोगों ने निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की थी। यहाँ प्रतिनिधि मंडल के साथ पहुँचने वालों में अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व अध्यक्ष रेहान खालिद, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग, शिखर द्विवेदी, होजैफा खान, तबरेज आलम,अदनान खान, वामिक, फरहान सेबू, अशोक यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

एमएलसी धर्मेंद्र सिंह का वाराणसी में हुआ जोरदार स्वागत

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। एमएलसी बनने के बाद धर्मेंद्र सिंह का वाराणसी आगमन पर हुआ जोरदार स्वागत। एमएलसी के स्वागत करने वालों में आशा एजुकेशनल ग्रुप के प्रबंध निदेशक एवं युवा भाजपा नेता प्रभात सिंह मिंटू के नेतृत्व में ओमप्रकाश पटेल (ओ.पी.पटेल) इलाका सिंह, चेत नारायण सिंह उर्फ. लाल सिंह,शरद पांडेय मुन्ना पार्षद जोल्हा उत्तरी, संदीप सिंह केराकत, राजेश पटेल पहड़िया सारनाथ, श्री राम द्विवेदी, अरुण मिश्रा बबलू बाबतपुर, अनुराग दूबे, रंजीत सिंह, रितेश राय, दिनेश मौर्या - संसार नर्सरी, पुष्पेन्द्र विक्रम सिंह, अंकुश शुक्ला सहित सैकड़ों की संख्या में लोगो ने धर्मेन्द्र सिंह का स्वागत और माल्यापर्ण कर स्वागत किया।

पुलिस की प्रभावी पैरवी से न्यायालय ने दुष्कर्मी को दोषी करार देते हुए दी सजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को मॉनिटरिंग सेल व अभियोजन के प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप थाना जमानियाँ पर पंजीकृत मु0अ0सं0 668/15 धारा 377 भादवि व ३ पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त धर्मेन्द्र बिन्द पुत्र सिंधल बिन्द नि0 हेतिमपुर थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्त को धारा 377 भादवि में 07 वर्ष के कारावास व 5000 रुपये के अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 03 माह का अतिरिक्त कारावास तथा धारा 04 पाक्सो एक्ट में 07 वर्ष के कारावास व 5000 रु0 का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 03 माह के अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया।

निष्प्रयोज्य सामग्री के नीलामी में 3 अप्रैल को लगेगी खुली बोली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, गाजीपुर के परिसर में विकास भवन के पास रोड़ के किनारे निष्प्रयोज्य घोषित ट्राइसेम भवन के 10 कमरो की सामग्री जहाँ जैसी स्थिति में हैं, की खुली बोली के माध्यम से चतुर्थ बार नीलामी, गठित समिति के समक्ष 03 अप्रैल 2024 को अपराह्न 03.00 बजे क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, गाजीपुर के सभाकक्ष में सम्पन्न की जायेगी। नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति उक्त निष्प्रयोज्य भवन का किसी भी कार्य दिवस में निरीक्षण कर सकते हैं। नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को नीलामी की कार्यवाही से पूर्व जमानत राशि रू0 32,000.00 का ह्लआचार्य, क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, गाजीपुर के नाम से किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक का डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा वह नीलामी की प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेगा। नीलामी से सम्बन्धित नियम व शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय के भण्डार सहायक के पास देखी जा सकती है। उक्त नीलामी की प्रक्रिया को बिना कारण बताये स्थगित अथवा निरस्त करने का अधिकार आचार्य, क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, गाजीपुर में निहित होगा।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं